Delhi Postal Regd. No. DL(C)-01/1272/2024-26, R.N.I. No. 72014/1999 Posted at LPC Delhi RMS, Delhi-6 Monday & Tuesday

अखिल भारतीय तेरापंथ टाइम्स

संघीय समाचारों का साप्ताहिक मुखपत्र

terapanthtimes.com

दुष्कर साधना

मोटका ने खिम्या करणी दोहिली,
कृपण नें दोहिलो दान।
भर जीवन में शील दोहिलो,
कायर नें दोरो चारित निधान।।

समर्थ के लिए क्षमाक, कृपण के लिए दान, पूर्ण यौवन में शील और कायर के लिए संयम की साधना करना दुष्कर है।

–आचार्यश्री भिक्षु

नई दिल्ली ● वर्ष 26 ● अंक 51 ● 22 सितम्बर - 28 सितम्बर, 2025 प्रत्येक सोमवार ● प्रकाशन तिथि : 20-09-2025 ● पेज 20 ₹ 10 रुपये

आत्मा का साक्षात्कार ही जीवन का वास्तविक लक्ष्य : आचार्यश्री महाश्रमण

पेज 03

जीवन में विवेक युक्त पुरुषार्थ का हो प्रयास : आचार्यश्री महाश्रमण

पेज 18

Address Here

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0

MEGA BLOOD DONATION DRIVE 17TH SEPTEMBER 2025

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी

यह संगठन धर्मसंघ का भाग्य है। अच्छे उत्साह के साथ अच्छी गतिविधियाँ चलाने वाला संगठन है अभातेयुप।

187946*

युनिट्स रक्त संग्रहण

*दिनांक 20 सितम्बर 25, सायं 4 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के आधार पर

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

मुझे अत्यंत हर्ष है कि अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा रक्तदान के महा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। नि:स्वार्थ भावना से रक्तदान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना आदर योग्य कदम है।

अभातेयुप द्वारा आयोजित 'रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0'

भारत सहित विदेशों में रक्तदान शिविरों के माध्यम से 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की सूक्ति हुई चरितार्थ

17 सितंबर 2025। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (अभातेयुप) ने अपने 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन आशीर्वाद से सेवा और समर्पण के सबसे बड़े रक्तदान अभियान **'मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव' (एमबीडीडी)** के अंतर्गत भारत सरकार के साथ मिलकर **'रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0'** का सफल आयोजन किया। इस अभियान में **1,87,946 यूनिट** रक्त संग्रह कर मानव सेवा का नया इतिहास रचा गया। इस ऐतिहासिक अभियान का शुभारंभ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम से हुआ, जहाँ एमबीडीडी के ब्रांड एम्बेसेडर विवेक ओबरॉय ने सर्वप्रथम रक्तदान किया। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से एक ही दिन में पूरे देश में 4000 ब्लड बैंक, 5000 डॉक्टर, 25 हजार तकनीशियन और 1 लाख स्वयंसेवकों की सहभागिता से यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की गई। 'रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0' के आधिकारिक अंतिम आँकड़े 2 अक्टूबर को भारत सरकार द्वारा घोषित किए जाएंगे।

यह आयोजन केवल सेवा और समर्पण का उदाहरण ही नहीं बना, बल्कि भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की परंपरा को सार्थक करते हुए करुणा, मानवता और परोपकार का वैश्विक संदेश भी बन गया। इस महाअभियान में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ रेल मंत्रालय, युवा मामले और खेल मंत्रालय, रेलवे पुलिस फोर्स तथा एन.एस.एस. का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कटक तक, महानगरों से लेकर दुर्गम क्षेत्रों तक– लेह-लद्दाख, उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों, जैसलमेर-बाड़मेर के रेगिस्तानों सहित हजारों रक्तदान शिविरों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। राजनेताओं, अभिनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, खेल और सिनेमा जगत की हस्तियों तथा उद्योगपतियों ने न केवल शिविरों में पहुँचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया, बल्कि स्वयं भी रक्तदान कर मानव सेवा के प्रति अपना समर्पण प्रदर्शित किया।

मानव सेवा के इस प्रयास की सफलता हेतु अनेक धर्मगुरुओं ने वीडियो संदेश द्वारा आशीर्वाद प्रदान किया। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रीगण, विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और अनेक विशिष्ट हस्तियों ने शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, युवा एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया आदि सहित केंद्र और राज्य सरकारों, स्थानीय प्रशासनिक निकायों तथा समाजसेवी संगठनों ने व्यापक सहयोग प्रदान किया। भारत सरकार की स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सभी राज्यों के हेल्थ सेक्रेटरी एवं प्रिंसिपल से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु विशेष निर्देश जारी किए।

एमबीडीडी के राष्ट्रीय प्रभारी हितेश भांडिया एवं सहप्रभारी सौरभ पटावरी का निष्ठापूर्ण श्रम और नेतृत्व उल्लेखनीय रहा। दिल्ली कंट्रोल रूम, अभातेयुप केंद्रीय कार्यालय, अहमदाबाद शिविर कार्यालय, तेयुप अहमदाबाद, एमबीडीडी राज्य प्रभारीगण, कोच और संपूर्ण एमबीडीडी टीम ने इस ऐतिहासिक आयोजन में उत्कृष्ट योगदान दिया। तेयुप की सभी शाखा परिषदों, कार्यकर्ताओं और युवा शक्ति के उत्साह, परिश्रम और सहयोग से यह महाअभियान इतिहास के पन्नों पर दर्ज हुआ। राज्य और स्थानीय स्तर पर अनेक सेवाभावी संस्थाएँ सहयोगी बनीं। सभी सरकारी विभागों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और हजारों ब्लड बैंकों की मेडिकल टीम ने पूर्ण जिम्मेदारी के साथ सहयोग किया। देशभर के समाचार पत्रों और टीवी चैनलों ने इस आयोजन को प्रमुखता से स्थान दिया। हजारों कार्यकर्ताओं ने रात-दिन एक कर इस अभियान को सफल बनाया। लाखों रक्तदाताओं ने अपनी रक्तबूंदें समर्पित कर मानवता की सेवा में स्वर्णिम इतिहास रच दिया।

17 सितम्बर 2025 को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 की विशेष उपलब्धियां

- **अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद** द्वारा अपने 61वें स्थापना दिवस पर **मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव** के अंतर्गत आयोजित **रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0** के माध्यम से तेरापंथ धर्मसंघ, परम पूज्य **आचार्यश्री महाश्रमणजी** एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद का नाम विराट रूप में आम जन मानस के हृदय में अंकित हुआ।
- भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अभातेयुप के नाम व्यक्तिगत संदेश जारी कर रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।
- भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, रेल मंत्रालय, युवा मामले और खेल मंत्रालय– ये तीन मंत्रालय तथा रेलवे पुलिस फोर्स व एन. एस. एस. इस अभियान के साथ जुड़े।
- अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद ने सेवा के एक ऐसे वृहद् आयोजन के द्वारा भारत की रक्त संपदा को समृद्ध करने का सार्थक प्रयास किया।
- प्रथम बार विदेशी धरती पर किसी भारतीय संगठन के आह्वान पर भारत के अतिरिक्त अनेक देशों में रक्तदान शिविरों का आयोजन हुआ, जिससे दूर देशों तक अपनेपन की धमक हुई।
- देश के प्रमुख न्यूज चैनलों, समाचार पत्र–पत्रिकाओं सहित मीडिया ने प्रमुखता से सराहते हुए इस आयोजन को अभूतपूर्व तरीके से कवर कर समाचारों को प्रसारित किया। सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से करोड़ों लोगों तक इस अभियान की गूंज हुई।
- रेल मंत्रालय ने आदेश जारी कर सभी आरक्षित रेल टिकटों पर एवं रेल मंत्रालय की अधिकारिक वेबसाइट irctc.co.in पर रक्तदान अमृत महोत्सव का बैनर प्रदर्शित किया, जिस पर परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी एवं भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का फोटो तथा अभातेयुप के लोगो (प्रतीक चिन्ह) के साथ भारत सरकार के तीन मंत्रालयों के लोगो (प्रतीक चिन्ह) का प्रदर्शन गौरव का विषय रहा।
- रेल मंत्रालय ने देश के सभी बड़े रेलवे स्टेशनों की 6000 से अधिक टी.वी. स्क्रीन्स पर इस अभियान की जानकारी देते हुए जन–जन को रक्तदान करने की अपील की।
- रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अणुव्रत भवन, दिल्ली में आयोजित रक्तदान शिविर में विशेष रूप से उपस्थित होकर स्वयं रक्तदान किया।
- गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अभातेयुप के लिए विशेष रूप से आरक्षित अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आयोजित रक्तदान शिविर में प्रथम रक्तदान बॉलीवुड एक्टर एवं एमबीडीडी के ब्राण्ड एम्बेसेडर श्री विवेक ओबेरॉय ने किया। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, स्वास्थ्य मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल एवं गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष सिंघवी भी नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में उपस्थित हुए।
- पूरे देश में अलग–अलग क्षेत्रों में आयोजित रक्तदान शिविरों में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, कलेक्टर, एस.पी., विधायक आदि ने उपस्थित होकर आयोजन को गरिमा प्रदान की। अनेक स्थानों पर ऐसे विशिष्ट महानुभावों ने स्वयं रक्तदान किया।
- भारत सरकार की स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सारे राज्यों के स्टेट प्रिंसिपल, हेल्थ सेक्रेटरी आदि को पत्र लिखकर इस अभियान में भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य दिया।
- युवा मामलात और खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने विराट स्तर पर 14 सितम्बर 2025 को साइक्लोथोन, मैराथॉन, वॉकाथॉन के माध्यम से इस अभियान के प्रचार–प्रसार की जिम्मेदारी स्वयं अपने स्तर पर ली।
- विभिन्न राज्यों के महामहिम राज्यपाल महोदयों एवं माननीय मुख्यमंत्री महोदयों द्वारा विडियो संदेश, पत्राचार आदि के माध्यम से इस अभियान से जुड़ने की अपील की गई।
- श्री जे.पी. नड्डा, श्री राजनाथ सिंह, श्री अश्विनी वैष्णव, श्री मनसुख मांडविया, श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, श्री नितिन गडकरी, श्री पीयुष गोयल, श्री अर्जुन मेघवाल आदि केन्द्रीय मंत्रियों ने इस अभियान के समर्थन में अपने सोशल मीडिया हेंडल एवं पत्राचार द्वारा लोगों से अपील की।
- एमबीडीडी के बैनर में परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी एवं भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का फोटो तथा अभातेयुप के लोगो (प्रतीक चिन्ह) के साथ भारत सरकार के तीन मंत्रालयों के लोगो (प्रतीक चिन्ह) का प्रदर्शन गौरव का विषय रहा।
- भारत के युवा मामले एवं खेलकूद मंत्री के कार्यालय ने एनएसएस के माध्यम से इन शिविरों को समर्थन देने की अपील की।
- भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के अंतर्गत सीमा सुरक्षा बल को रक्तदान शिविर आयोजित करने की अनुमति दी।
- रेलवे पुलिस फोर्स (आरपीएफ) ने भी सम्पूर्ण भारत के अधिकारियों से इस अभियान में जुड़ने हेतु अपील की।
- कश्मीर से कन्याकुमारी तथा कच्छ से कटक तक भारत के सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में इस अभियान को लेकर अपार उत्साह का माहौल बना।
- भारत सरकार की वेबसाईट ई–रक्तकोष पर भारत सरकार के लोगो (प्रतीक चिन्ह) के साथ अभातेयुप एवं एमबीडीडी का लोगो (प्रतीक चिन्ह) प्रदर्शित किया गया एवं ई–रक्तकोष वेबसाइट पर ही रक्तदाताओं का पंजीकरण किया गया।
- भारत के सभी वर्गों का भरपूर सहयोग इस अभियान को मिला। अनकों एनजीओ, स्वयं सेवक संगठन, व्यापार मंडल, एसोसियेशन, इंडस्ट्रीज, बैंकिंग ईकाइयां, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय आदि इस अभियान के साथ जुड़े। अभातेयुप उद्योग–व्यापार जगत के शीर्षस्थ महानुभावों तक पहुंच सकी।
- सैंकड़ों स्वयंसेवी संस्थाएं और हजारों नए कार्यकर्ता पहली बार अभातेयुप के कार्यों में भागीदार बने।
- इस आयोजन में छोटी से लेकर बड़ी हर तेयुप शाखा परिषद ने अपनी क्षमताओं को परखकर अपना सर्वश्रेष्ठ दिया एवं तेयुप कार्यकर्ताओं की बड़े कार्यक्रमों को करने की लाइव ट्रेनिंग भी हुई।
- एयर इंडिया के सहयोग से प्रथम बार एक ही दिन में देश के सात हवाई अड्डों पर रक्तदान शिविर आयोजित हुए।
- ओन टीवी ने मुम्बई की सभी लोकल ट्रेन की 8000 से अधिक टीवी स्क्रीन्स पर इस अभियान का प्रचार कर रक्तदान की अपील की।
- दैनिक भास्कर समाचार पत्र समूह ने 30 शहरों में 'माई एफएम' रेडियो स्टेशन पर इस अभियान का प्रचार कर रक्तदान की अपील की।
- परिषद के कार्यकर्त्ताओं ने नुक्कड़ नाटक, रैली, सोशल मीडिया आदि माध्यमों से रक्तदाताओं को प्रेरित करने हेतु जागरुकता अभियान चलाया।
- भारत के विश्व प्रसिद्ध कवियों एवं कवयित्रियों ने इस अभियान के लिए अपनी रचनाएं अपने सोशल मिडिया हेंडल पर प्रसारित कर प्रचार–प्रसार का कार्य किया।
- प्रतिष्ठित व्यवसायियों ने अपने पैकेजिंग मैटेरियल एवं बिल आदि पर एमबीडीडी रक्तदान का क्यूआर कोड डालकर इस अभियान में जुड़ने हेतु अपना अथक प्रयास किया।
- कॉफी मग्स, रिस्ट बैंड, बैजेज, कार एवं बाईक स्टीकर, विंडशिल्ड स्टीकर, पर्दे, माउस पेड आदि का किट बांट कर इस अभियान के प्रति जागरुकता फैलाई गई।
- अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के माध्यम से इस अभियान के अंतर्गत आयोजित साइक्लोथोन, मैराथॉन, वॉकाथॉन में लोगों को नशा मुक्ति की प्रेरणा दी गई।
- यह ऐसा आयोजन हुआ, जिसने कार्यकर्ताओं को नया साहस, नई उम्मीद और नया उत्साह प्रदान किया।

: शुभकामनाओं सहित :
AOM GROUP

जीवन रूपी गाड़ी में हो सम्यक् ज्ञान रूपी लाइट और संयम रूपी ब्रेक : आचार्यश्री महाश्रमण

आई.पी.एस. अरुण बोथरा को मिला जैन विश्व भारती द्वारा प्रज्ञा पुरस्कार सम्मान

कोबा, गांधीनगर।
13 सितम्बर, 2025

मोक्ष मार्ग प्रदर्शक धर्म दिवाकर आचार्यश्री महाश्रमणजी ने 'आयारो' आगम के माध्यम से पावन देशना प्रदान करते हुए फरमाया कि जहां सम्यक्त्व होता है, वहां ज्ञान होता है। जहां ज्ञान होता है, वहां सम्यक्त्व होता है। जैन दर्शन में तीन शब्द हैं - मिथ्या दृष्टि, सम्यक् दृष्टि और सम्यक् मिथ्या दृष्टि। मिथ्या दृष्टि जीव के बोध को जैन दर्शन में अज्ञान कहा गया है और सम्यक् दृष्टि जीव के पास जो जानकारी होती है, उसे ज्ञान कहा गया है।

सम्यक्त्व और ज्ञान का अविनाभावी संबंध है। सम्यक्त्व है तो ज्ञान भी है और ज्ञान है तो सम्यक्त्व भी होगा ही। हमारे जीवन में सम्यक् ज्ञान का भी महत्त्व है और चारित्र का भी महत्त्व है। जहां चारित्र है, वहां निश्चित ही सम्यक् ज्ञान होगा, परन्तु जहां सम्यक् ज्ञान हो वहां चारित्र हो ही, यह नियम नहीं है। एक साधु में चारित्र है तो सम्यक् ज्ञान भी है, परन्तु कोई सामान्य चतुर्थ गुणस्थानवर्ती जीव सम्यक्त्वी है, उसमें चारित्र भी है, यह नियम नहीं बैठ सकता। ज्ञान और चारित्र के योग से जीव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। हमारे जीवन में सम्यक् ज्ञान और संयम दोनों का विकास होना चाहिए। जीवन में ज्ञान और संयम है तो यह एक अच्छी संपदा हो जाती है।

गृहस्थ जीवन में भी सम्यक् ज्ञान और संयम दोनों विकसित होने चाहिए। युवावस्था में शरीर में शक्ति है, पैसे की शक्ति है, तो साथ में संयम रहना चाहिए। शक्ति का कहीं दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। शक्ति की अभिव्यक्ति का बढ़िया उपयोग करने का प्रयास करना चाहिए। हमारे जीवन रूपी गाड़ी में सम्यक् ज्ञान रूपी लाइट और संयम रूपी ब्रेक होना चाहिए। हमारी वाणी, आहार में संयम होना चाहिए। चिंतन भी सम्यक् होना चाहिए। यदि हमारे जीवन में सम्यक् ज्ञान और संयम का विकास हो तो हमारी आत्मा आध्यात्मिक उत्थान को प्राप्त कर सकती है।

परम पूज्य गुरुदेव के पावन सान्निध्य में छठे राष्ट्रीय प्रशासनिक कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ। जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमरचंद लुंकड़ और पंकज बोथरा ने अपने विचार रखे। जैन विश्व भारती द्वारा 'प्रज्ञा पुरस्कार सम्मान' आयोजित हुआ, जिसमें आई.पी.एस. अरुण बोथरा को पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों को प्रेरणा प्रदान करते हुए पूज्य गुरुदेव ने कहा कि प्रशासन के क्षेत्र में शुद्धि रहे, यह आवश्यक है। प्रशासन में आना हर किसी के लिए सरल नहीं होता। प्रशासनिक कार्य में ईमानदारी और नैतिकता के प्रति जागरूकता रहनी चाहिए। कई बार ऐसा अवसर भी हो सकता है कि जब बेईमानी से धन कमाया जा सकता है, किन्तु ऐसे समय पर भी अपनी ईमानदारी न छोड़ें। प्रशासन में नैतिकता के रास्ते पर चलें। लौकिक के साथ-साथ लोकोत्तर धर्म भी व्यक्तिगत जीवन में रहे। लौकिक सेवा की अपनी उपयोगिता है, परन्तु धर्म व्यक्ति का अपना होता है।

टी.पी.एफ. द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशासनिक ऑफिसर्स सम्मेलन के अंतर्गत एडिशनल डी.जी.पी. रेलवे एंड कोस्टल सिक्योरिटी से आई.पी.एस. अरुण बोथरा ने अपने विचार रखे। पुष्प जैन ने भी अपनी विचाराभिव्यक्ति दी।

आत्मा का साक्षात्कार ही जीवन का वास्तविक लक्ष्य : आचार्यश्री महाश्रमण

कोबा, गांधीनगर।
14 सितम्बर, 2025

> शरीर में बीमारी होने पर डॉक्टर यंत्रों के द्वारा एक्स-रे, सोनोग्राफी आदि प्रक्रियाओं से कारण का पता लगाकर इलाज करते हैं। यह निदान स्थूल शरीर का होता है, जिसे औदारिक शरीर कहा गया है। स्थूल शरीर से सूक्ष्मतर तैजस शरीर और उससे भी सूक्ष्म कार्मण शरीर होता है, जो वास्तविक कारण है। चिकित्सा विज्ञान स्थूल स्तर पर कारण की खोज करता है, जबकि अध्यात्म और धर्मशास्त्र कार्मण शरीर तक पहुँचते हैं। प्रत्येक जीव के पास कम से कम तीन शरीर रहते हैं। जब जीव एक शरीर को त्यागकर दूसरे में जाता है तो अन्तराल गति में भी तैजस और कार्मण शरीर साथ रहते हैं।

मैनेजमेंट गुरु, कुशल प्रशासक युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने 'आयारो' आगम के माध्यम से पावन संबोध प्रदान करते हुए कहा कि हमारे जीवन में एक मूल और महत्त्वपूर्ण तत्त्व है – आत्मा। आत्मा के साथ शरीर भी है। एक स्थूल शरीर है, जिसका ध्यान रखा जाता है, चिकित्सा कराई जाती है, खाना-पीना आदि क्रियाएं इसी शरीर के लिए होती हैं। इस स्थूल शरीर में भीतर अनेक तंत्र कार्य करते हैं, जिनकी गहराई तक हर कोई नहीं पहुँच सकता। चिकित्सा शास्त्र के मर्मज्ञ व्यक्ति ही शरीर के भीतर की प्रक्रियाओं का ज्ञान रखते हैं।

शरीर में बीमारी होने पर डॉक्टर यंत्रों के द्वारा एक्स-रे, सोनोग्राफी आदि प्रक्रियाओं से कारण का पता लगाकर इलाज करते हैं। यह निदान स्थूल शरीर का होता है, जिसे औदारिक शरीर कहा गया है। स्थूल शरीर से सूक्ष्मतर तैजस शरीर और उससे भी सूक्ष्म कार्मण शरीर होता है, जो वास्तविक कारण है। चिकित्सा विज्ञान स्थूल स्तर पर कारण की खोज करता है, जबकि अध्यात्म और धर्मशास्त्र कार्मण शरीर तक पहुँचते हैं। प्रत्येक जीव के पास कम से कम तीन शरीर रहते हैं। जब जीव एक शरीर को त्यागकर दूसरे में जाता है तो अन्तराल गति में भी तैजस और कार्मण शरीर साथ रहते हैं।

आयारो में कहा गया है कि मुनि ज्ञान और संयम से कर्म शरीर को प्रकंपित करे। अध्यात्म की साधना में संवर और निर्जरा दो महत्त्वपूर्ण तत्त्व हैं। ध्यान की गहराई में भी कर्म शरीर को प्रकंपित करने की क्षमता होती है। अच्छी ध्यान साधना से संवर और निर्जरा दोनों संभव हो सकते हैं।

आचार्यश्री ने कहा कि इस वर्ष प्रेक्षा ध्यान के नामकरण का 50वां वर्ष (प्रेक्षा ध्यान कल्याण वर्ष) है। आचार्यश्री तुलसी की निश्रा और सान्निध्य में प्रेक्षा ध्यान की शुरुआत हुई थी और आचार्यश्री महाप्रज्ञ इसके अन्वेषक और संवाहक बने। प्रेक्षा ध्यान से न केवल शारीरिक बीमारियां दूर हो सकती हैं बल्कि अनेक समस्याएं हल हो सकती हैं। कायोत्सर्ग, शिथिलीकरण और चित्तशांति इसके महत्त्वपूर्ण अंग हैं। साधक जब साधना करता है तो उसके कर्म शरीर कमजोर होते जाते हैं और आत्मिक उत्थान संभव होता है।

साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि दूसरों का साक्षात्कार करना सरल है, किन्तु आत्मा का साक्षात्कार अत्यंत कठिन है। बाह्य जगत को देखने के लिए आँखें खोलनी होती हैं, जबकि आत्मा को देखने के लिए आँखें बंद करनी पड़ती हैं। ध्यान की साधना आत्मा साक्षात्कार की कला सिखाती है।तत्पश्चात शाहीबाग, अहमदाबाद ज्ञानशाला की सुंदर प्रस्तुति हुई। पूज्य गुरुदेव ने ज्ञानशाला के बच्चों को आशीर्वचन प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन मुनि दिनेशकुमार जी ने किया।

सत्य वचन है विश्वास का स्थान : आचार्यश्री महाश्रमण

कोबा, गांधीनगर।
12 सितम्बर, 2025

वीतराग साधक युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने 'आयारो' आगम के माध्यम से अमृत देशना प्रदान करते हुए फरमाया कि साधक को पाप से बचने का प्रयास रखना चाहिए। साधुओं के लिए सर्व सावद्य योग अकरणीय होता है। अशुभ योग रूपी पाप कर्म साधु के लिए परित्यक्त होता है। साधु के तीन करण, तीन योग से सर्व सावद्य योग का प्रत्याख्यान होता है।

गृहस्थों को भी अपने जीवन में जितना हो सके पाप कर्मों से बचने का प्रयास करना चाहिए। गृहस्थों को ऐसा झूठ नहीं बोलना चाहिए, जिससे दूसरा व्यक्ति ज्यादा तकलीफ में पड़ जाए। स्थूल रूप में मृषावाद से गृहस्थ भी बचने का प्रयास करें। पारदर्शिता, ईमानदारी, मोरालिटी जीवन में बनाए रखें। किसी व्यक्ति के बारे में यह विश्वास बन जाए कि यह झूठ नहीं बोलता है, तो यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। झूठ बोलने वाला कभी सत्य भी बोल दे तो उसका विश्वास नहीं होता। सत्य वचन विश्वास का स्थान है।

इसी प्रकार अदत्तादान भी अठारह पापों में एक पाप है। इस विषय में भी व्यक्ति पर यह विश्वास होना चाहिए कि इसके पास मेरी कोई वस्तु रखी जाएगी तो वह सुरक्षित रहेगी।

यह विश्वास भी एक उपलब्धि है। छल-कपट, क्रोध आदि पापों से भी बचने का प्रयास करना चाहिए।

मनुष्य जीवन में पुण्य के योग से पैसा, पद आदि मिल जाना कोई बड़ी चीज़ नहीं है, बड़ी चीज़ है धर्म की साधना करना, आत्मा के कल्याण के लिए कुछ करना। सामायिक, स्वाध्याय, त्याग, तपस्या आदि करना मनुष्य की बड़ी संपत्ति है। अतः धर्म की कमाई के लिए जागरूकता बनी रहनी चाहिए।

शरीर की अनुकूलता के अनुसार तपस्या का क्रम बना रहना चाहिए। तपस्या की अनुकूलता न हो तो जप, स्वाध्याय आदि किया जा सकता है। धार्मिक, आध्यात्मिक सेवा का क्रम चलता रहे। अभी चातुर्मास का उत्तरार्ध है, तो बचे हुए समय में साधु-संतों की सन्निधि में तत्त्व ज्ञान, स्वाध्याय, सामायिक, तप आदि का क्रम यथानुकूल चलता रहना चाहिए।

परम पूज्य आचार्यश्री भिक्षु का जन्म त्रिशताब्दी वर्ष चल रहा है, उनके जीवन वृत्त, साहित्य आदि को देखें, पढ़ें। स्वाध्याय करने से ज्ञान में वृद्धि हो सकती है। मुमुक्षु, बोधार्थी अपने तत्त्व ज्ञान आदि का अच्छा विकास करने का प्रयास करें, जिससे आध्यात्मिक चेतना पुष्ट हो सके और उनका भावी साध्वी, समणी जीवन अच्छा रह सके। यह उनके प्रशिक्षण का समय है। व्यवहार शालीन, सद्भावपूर्ण और मैत्रीपूर्ण होना चाहिए।

इस प्रकार आयारो में कहा गया है कि पाप का अन्वेषण मत करो, धर्म की ओर देखो, धर्म के रास्ते पर चलो। जीवन में संयम रहे। बुरा देखना नहीं, बुरा सुनना नहीं, बुरा बोलना नहीं, बुरा सोचना नहीं और किसी का बुरा नहीं करना चाहिए। सब अच्छा करना चाहिए।

मुनि रत्नेश कुमार जी ने परम पूज्य गुरुदेव से 9 की तपस्या का प्रत्याख्यान किया। पूज्य प्रवर ने मुनि रत्नेश कुमार जी को तपस्या के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

आओ नींद को अपनी ताकत बनाएं कार्यशाला का आयोजन

इचलकरंजी।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार इचलकरंजी महिला मंडल द्वारा प्रेक्षा प्रवाह : शक्ति एवं शांति की ओर — 'आओ नींद को अपनी ताकत बनाएं' विषय पर कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। इस अवसर पर मुमुक्षु संयोजिका खुशी, मुमुक्षु मोनिका, मुमुक्षु रुचिका एवं मुमुक्षु रिद्धि की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण से हुई। महिला मंडल अध्यक्षा विजयादेवी बालड़ ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुमुक्षु रुचिका ने 'Secrets behind your sleep' विषय पर जानकारी देते हुए नींद के चार स्तंभ बताए तथा ऑक्सीजन, अनुलोम-विलोम, पानी एवं संतुलित खान-पान पर ध्यान रखने के महत्व को विस्तार से समझाया। मुमुक्षु मोनिका ने बताया कि साधना में नींद कैसे सहयोगी बन सकती है। उन्होंने रिलैक्सेशन ऑफ बॉडी एवं रात्रि में कायोत्सर्ग के महत्व पर प्रकाश डाला। मुमुक्षु खुशी ने खान-पान से संबंधित उपयोगी मार्गदर्शन दिया।

प्रेक्षाध्यान इंटरनेशनल ट्रेनर विकास सुराणा ने जीवन-विज्ञान के माध्यम से प्रेक्षाध्यान, योग एवं आसनों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बालासन, ताड़ासन, मत्स्यासन आदि करवाकर उनके लाभ समझाए तथा समताल श्वास प्रेक्षाध्यान का अभ्यास भी कराया। कार्यशाला में सभा एवं युवक परिषद की भी सहभागिता रही। कार्यक्रम में लगभग 110-120 प्रतिभागियों की उपस्थिति दर्ज हुई। कार्यक्रम का सफल संचालन मंत्री समता चोपड़ा ने किया तथा आभार ज्ञापन प्रचार-प्रसार मंत्री रश्मि संखलेचा ने व्यक्त किया।

भिक्षु भजन आधारित अंताक्षरी का आयोजन

राजराजेश्वरी नगर। साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में तेयुप राजराजेश्वरी नगर द्वारा रात्रिकालीन आचार्य श्री भिक्षु भजन आधारित अंताक्षरी प्रतियोगिता तेरापंथ भवन, राजराजेश्वरी नगर में तीन चरणों में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरोज बोथरा द्वारा मंगलाचरण से हुआ। तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर ने पधारे हुए समस्त श्रावक समाज का हार्दिक स्वागत किया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के कुल 40 प्रतिभागियों को दो टीमों में विभाजित किया गया। साध्वी श्री ने स्वयं एक गीतिका गाकर अंतिम अक्षर से अंताक्षरी की शुरुआत करवाई।

दूसरे चरण में प्रतिभागियों को अंतरे से शब्द लेकर गीत प्रस्तुत करने को कहा गया, जबकि तीसरे चरण में अंतर के चार शब्द दिए गए, जिन पर आधारित गीतिका प्रस्तुत करनी थी। दोनों टीमों के प्रतिभागियों ने अत्यंत सुंदर और मधुर स्वर में भजन गाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

श्रोताओं के उत्साह को देखकर साध्वीश्री ने महिला वर्ग एवं पुरुष वर्ग के बीच विशेष अंताक्षरी भी करवाई। इस अवसर पर तेयुप, सभा/ट्रस्ट, महिला मंडल, किशोर मंडल, कन्या मंडल तथा ज्ञानशाला के पदाधिकारीगण एवं श्रावक समाज की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रवीण बैद ने किया।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट का पश्चिम बंगाल राज्य स्तरीय आयोजन

हावड़ा।

अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के तत्वावधान में अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट 2025 जिसका मुख्य विषय था 'संविधान की धार, मर्यादाओं का हो आधार', का पश्चिम बंगाल राज्य स्तरीय आयोजन अणुव्रत समिति हावड़ा द्वारा साउथ हावड़ा तेरापंथ भवन में किया गया। प्रतियोगिता में निबंध लेखन, कविता लेखन, चित्रकला, एकल गायन, समूह गायन एवं भाषण जैसी विभिन्न विधाओं का आयोजन हुआ। इसमें राज्य की दिनहटा, दालखोला, इस्लामपुर और कोलकाता में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में विजयी हुए विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अणुव्रत गीत से हुआ। स्वागत वक्तव्य उपाध्यक्ष मनीष कुमार बैद ने दिया तथा विद्यार्थी अणुव्रत का वाचन राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार मंत्री पंकज दुधोड़िया द्वारा कराया गया। निर्णायक मंडल में कोकिला कुंडलिया, सोनल सुराणा एवं हर्ष बांठिया शामिल रहे। इस अवसर पर विभिन्न समितियों के पदाधिकारीगण, शिक्षकगण एवं अभिभावकों की विशेष उपस्थिति रही। पधारे हुए शिक्षकों एवं पदाधिकारियों का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। प्रतियोगिता में राज्यभर से कुल 52 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिन्हें स्मृति-भेंट प्रदान की गई।

कार्यक्रम में ACC 2025 की राज्य प्रभारी लीना सिंघी एवं सुनीता बैद की विशेष उपस्थिति रही। अणुव्रत समिति हावड़ा के कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन में विशेष श्रम देकर योगदान दिया। सम्पूर्ण ACC 2025 के प्रायोजक अमरचंद दुगड़ परिवार (सरदारशहर – उत्तर हावड़ा) के प्रति विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन मंत्री बिरेंद्र बोहरा ने किया।

संक्षिप्त खबर

'आओ नींद को अपनी ताकत बनाएं' कार्यशाला का आयोजन

मध्य दिल्ली। अभातेममं द्वारा निर्देशित प्रेक्षा प्रवाह 'शक्ति एवं शांति की ओर' के अंतर्गत 'आओ नींद को अपनी ताकत बनाएं' विषय पर तेरापंथ महिला मंडल, मध्य दिल्ली द्वारा तेरापंथ भवन, शास्त्री नगर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र व प्रेरणा गीत के संगान से हुआ। मध्य दिल्ली महिला मंडल की अध्यक्षा कनक चौपड़ा ने स्वागत भाषण दिया।

सहमंत्री चंचल सुराना ने 'कैसा हो हमारा खान-पान' विषय पर उपयोगी जानकारी साझा की। प्रेक्षाध्यान प्रशिक्षिका राज गुनेचा ने प्रेक्षाध्यान गीत के माध्यम से कार्यशाला की शुरुआत की। उन्होंने कायोत्सर्ग, पश्चिमोत्तानासन, ताड़ासन, भुजंगासन, महाप्राण ध्वनि, मत्स्यासन आदि के अभ्यास करवाए तथा इन आसनों के माध्यम से स्वास्थ्य, मानसिक एकाग्रता और जीवन की सकारात्मकता से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें समझाई। उपस्थित बहनों के सभी संदेह भी स्पष्ट किए गए। दिल्ली सभा की मंत्री मंजू जैन की गरिमामय उपस्थिति कार्यक्रम में रही। कार्यक्रम का संचालन और आभार ज्ञापन मंत्री मुकेश बोथरा ने किया।

प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन

दिल्ली पश्चिम। अभातेममं के निर्देशन में जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल, दिल्ली पश्चिम द्वारा प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन, मानसरोवर गार्डन, दिल्ली में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रेक्षागीत से हुआ। अध्यक्ष चंदा डूँगरवाल ने सभी बहनों का हार्दिक स्वागत किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने 'नींद को अपनी ताकत बनाएं' विषय पर प्रकाश डालते हुए प्रेक्षा प्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञ के विचारों का संदर्भ देते हुए विचार व्यक्त किए।

निवर्तमान अध्यक्षा रीटा चोरड़िया, मीना डूँगरवाल, सीमा लोढा, समता भूतोड़िया, पूर्णिमा पारख, मंजू बैद एवं निर्मला बैद ने भी विषय पर अपने विचार साझा किए। प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षिका मंत्री मनीषा जैन ने अनिद्रा को दूर करने हेतु प्रेक्षा ध्यान के विभिन्न प्रयोग कराए।

अच्छी नींद के लिए उन्होंने उज्जायी प्राणायाम, मंत्र प्रयोग तथा लघु कायोत्सर्ग का अभ्यास कराया। इसके अतिरिक्त सरिता सेठिया, सायर लूणिया एवं सरोज सुराणा ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास करवाया, जिससे सभी बहनों को शारीरिक-मानसिक संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक उपाय सीखने को मिले। सुमन बेंगवानी एवं अन्य बहनों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए। कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष मीना डूँगरवाल ने किया।

तत्व विज्ञ की परीक्षा का आयोजन

पूर्वांचल कोलकाता। अखिल भारतीय महिला मंडल द्वारा निर्देशित आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत पूर्वांचल कोलकाता महिला मंडल के तत्वाधान में तत्व विज्ञ की परीक्षा का आयोजन व्यवस्थापिका सरोज दुगड़ की देखरेख में तुलसी वाटिका लेक टाउन में आयोजित हुई।

क्षेत्र में तीन परीक्षार्थियों जया बोथरा, अनुपम गुप्ता एवं विजया भुतोडिया ने परीक्षा दी। बंगाल प्रभारी अनुपमा नाहटा, अध्यक्ष बबीता तातेड़, उपाध्यक्ष विनीता बरमेचा द्वारा प्रश्न पत्र खोला गया।

तप समाचार

भिवानी। 'शासनश्री' साध्वी श्री तिलक श्री जी के सान्निध्य में अनिल नाहटा, रेनू नाहटा, आरती जैन तथा मोहित जैन के अठाई की तपस्या की।

संस्कृति का संरक्षण-संस्कारों का संवर्द्धन
जैन विधि-अमूल्य निधि

जैन संस्कार विधि

नामकरण संस्कार

■ **डोम्बिवली।** मनीष चंदनमल धींग परिवार में जैन संस्कार विधि से नामकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्कारक राजेश चौधरी एवं प्रवीण धींग ने निर्दिष्ट विधि विधान व मंगल मंत्रोच्चार से कार्यक्रम को सम्पन्न कराया।

नूतन गृह प्रवेश

■ **पर्वत पाटीया।** लूणकरनसर निवासी सूरत प्रवासी जलज - अंकिता जैन का गृह प्रवेश जैन संस्कार विधि से संस्कारक पवन बुच्चा व पवन छाजेड़ ने निर्दिष्ट विधि विधान एवं मंगल मंत्रोच्चार से सम्पादित करवाया।

राष्ट्रीय स्तर पर 'श्रेष्ठ सभा' के रूप में सम्मानित

बीकानेर।

जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा का वार्षिक अधिवेशन युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सान्निध्य में अहमदाबाद में आयोजित हुआ। इस अधिवेशन में देश भर की 550 सभाओं से 1800 से अधिक पदाधिकारियों ने सहभागिता की।

तेरापंथी सभा गंगाशहर से उपाध्यक्ष नवरतन बोथरा, मंत्री जतन लाल संचेती और संगठन मंत्री शांतिलाल पुगलिया ने इस अधिवेशन में भाग लिया। वृहद सभाओं की श्रेणी में, तेरापंथ सभा गंगाशहर को राष्ट्रीय स्तर पर 'श्रेष्ठ सभा' के रूप में सम्मानित किया गया। गंगाशहर में मुनि कमल कुमार जी ने कहा कि यहाँ की सभा पूर्ण जागरूकता के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही है। उन्होंने सभा की धर्म संघ की प्रभावना, सार-संभाल आदि में सक्रिय व सजग भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि महासभा ने सभा का सही मूल्यांकन कर श्रेष्ठ सभा के रूप में सम्मानित किया है।

साध्वी विशदप्रज्ञा जी व साध्वी लब्धिप्रभा जी ने इस उपलब्धि हेतु सभा के कार्यकर्ताओं की सक्रियता और निरंतर जागरूकता की सराहना करते हुए कहा कि सम्मान से सभा का दायित्व अब और अधिक बढ़ जाता है, और सभा इसी तरह निरंतर आगे बढ़ती जाए। महासभा संरक्षक जैन लूणकरण छाजेड़ ने तेरापंथी सभा द्वारा साधु-साध्वियों की सेवा, चिकित्सा सेवा, मार्ग सेवा, चौका सेवा, गुरु दर्शन सेवा, ज्ञानशाला संचालन, सामाजिक सरोकार सेवा सहित जन कल्याणकारी कार्यों की सराहना करते हुए गंगाशहर के संपूर्ण समाज को बधाई देते हुए कि निष्काम भावना से कार्य करने वालों का समय आने पर अंकन होता है।

तपस्या से होता है आध्यात्मिक शक्तियों का जागरण

राजराजेश्वरी नगर, बेंगलुरु।

साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में मोनिका सुराणा (धर्मपत्नी मनीष सुराणा) के 31 दिनों के मासखमण तप की अनुमोदना का कार्यक्रम तेरापंथ भवन में आयोजित हुआ। साध्वी पुण्ययशा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि तप मोक्ष मार्ग की साधना का एक महत्वपूर्ण अंग है। तपस्या से न केवल आध्यात्मिक शक्तियों का जागरण होता है, बल्कि शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य की प्राप्ति भी संभव होती है। उन्होंने बताया कि तपस्या के द्वारा कर्मों की महान निर्जरा होती है।

मासखमण तप की अनुमोदना में श्रावक-श्राविकाओं ने पचरंगी तप सहित अन्य तपों की मानो झड़ी लगा दी। इस अवसर पर कुल 49 व्यक्ति उपवास से लेकर सात दिन की तपस्या तक विभिन्न प्रकार के प्रत्याख्यान स्वीकार किये। इस अवसर पर विजया बाफणा ने वर्धमान ओली तप की पांच लड़ी, बीस दिन की तपस्या पूर्ण की। साध्वी विनीतयशाजी, साध्वी वर्धमानयशाजी और साध्वी बोधिप्रभाजी ने सभी तपस्वियों का अनुमोदन करते हुए उत्साहवर्धन किया।

साध्वीप्रमुखा श्री विश्रुतविभाजी द्वारा प्रेषित मंगल संदेश का वाचन जितेन्द्र घोषल ने किया। मंगलाचरण एवं तप अनुमोदना गीत तेरापंथ सभा एवं महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत किया गया। तपस्विनी के परिवार ने भावाभिव्यक्ति एवं तप गीत की प्रस्तुति दी। सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर, महिला मंडल अध्यक्ष मंजु बोथरा, कमल सुराणा, अरुण संचेती व सुमन पटवारी ने मोनिका सुराणा को मासखमण तप की सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। तीनों संस्थाओं की ओर से तप अभिनंदन पत्र एवं जैन पट्ट से मोनिका सुराणा का अभिनंदन भी किया गया।

संक्षिप्त खबर

समय पर सोना और उठना है संतुलित जीवन की कुंजी

पाली। अभातेममं द्वारा निर्देशित कार्यशाला 'आओ, नींद को अपनी ताक़त बनाएं' का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल, पाली द्वारा संपन्न किया गया। साध्वी काव्यलता जी के सान्निध्य में कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। बहनों ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। अध्यक्षा किरण पटावरी ने सभी का हार्दिक स्वागत किया। कार्यशाला में विभिन्न प्रकार के आसन एवं प्राणायाम अत्यंत व्यवस्थित रूप से समझाए गए। प्रत्येक आसन के लाभ और विभिन्न रोगों में उनकी उपयोगिता पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साध्वी काव्यलता जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि तनावमुक्त जीवन जीने से नींद संबंधी समस्याएं कभी उत्पन्न नहीं होतीं। स्वस्थ चिंतन, समय पर सोना और समय पर उठना — यह सक्रिय और संतुलित जीवन की कुंजी है। साध्वी सुरभियशा जी ने विशुद्धि केंद्र पर मंत्र प्रयोग भी करवाए। कार्यशाला में कायोत्सर्ग का प्रयोग कराया गया, जिससे सभी ने गहन शांति और प्रसन्नता का अनुभव किया। आभार ज्ञापन मंत्री मधु बांठिया ने किया।

शपथ ग्रहण समारोह

मध्य दिल्ली। शास्त्री नगर क्षेत्र में स्थित तेरापंथ भवन के प्रांगण में मध्य दिल्ली महिला मंडल की नवमनोनीत अध्यक्ष कनक चौपड़ा और उनकी नवगठित टीम का सत्र 2025-2027 हेतु शपथ ग्रहण समारोह उल्लासपूर्ण रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ णमोकार महामंत्र एवं प्रेरणा गीत से हुआ। तेयुप द्वारा संचालित जैन संस्कार विधि के प्रभारी विशाल सुराना, संस्कारक अशोक सेठिया एवं प्रवीण गोलछा ने शपथ ग्रहण समारोह जैन विधि विधान के अनुरूप संपन्न कराया। अध्यक्ष दीपिका छल्लानी ने कनक चौपड़ा को शपथ ग्रहण करवाई। नव मनोनीत अध्यक्ष कनक चौपड़ा ने मध्य दिल्ली मंडल के संरक्षक, परामर्शक सदस्यों सहित नवगठित टीम के पदाधिकारियों व कार्यसमिति सदस्यों के नामों की घोषणा की और सभी को शपथ दिलवाई। मंत्री पद का दायित्व मुकेश बोथरा को सौंपा गया। इस अवसर पर जैन श्वेतांबर तेरापंथ महासभा के उपाध्यक्ष संजय खटेड़, जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुखराज सेठिया, प्रवास समिति के उपाध्यक्ष शुभकरण बोथरा, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल Delhi-UP प्रभारी मंजू भूतौड़िया आदि विशिष्ट व्यक्तित्वों ने नव मनोनीत अध्यक्ष कनक चौपड़ा एवं उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। मंच संचालन निवर्तमान मंत्री सुमन बरड़िया ने किया। आभार ज्ञापन वर्तमान मंत्री मुकेश बोथरा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के प्रायोजक पवन चौपड़ा रहे।

प्रेक्षा प्रवाह कार्यशाला आयोजित

चेंबूर, मुंबई। अभातेममं के निर्देशन में, जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल चेंबूर द्वारा प्रेक्षा प्रवाह कार्यशाला का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया गया, तत्पश्चात सर्वोदय एरिया की बहनों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संचालन लीना सिंघवी एवं रिंकल पटावरी ने किया, जबकि मंत्री पायल मांडोत ने उपस्थित सभी का स्वागत किया। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण था 'Secret Behind Your Sleep', जिस पर डॉ. मित्तल बापना द्वारा तैयार की गई PPT रीना धाकड़ ने प्रस्तुत की। गांधी मैदान क्षेत्र की बहनों ने खान-पान और नींद के महत्व पर सुंदर प्रस्तुति दी। इसके बाद मीना साभद्रा एवं उषा कच्छारा ने मन को शांति और एकाग्रता प्रदान करने वाला प्रेक्षाध्यान कार्यक्रम संचालित किया। कार्यक्रम में क्रांति सुराणा, कांता बडाला और कल्पना परमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में वीणा कोठारी ने आभार व्यक्त किया। कुल 55 महिलाओं ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यशाला में कन्या मंडल की कन्याओं के साथ प्रभारी टीना हिरन और सह प्रभारी सपना पटावरी भी उपस्थित रही।

सजगता के साथ ली गयी नींद को बनायें अपनी ताकत

नाथद्वारा।

साध्वी रचनाश्री जी के सान्निध्य में अभातेममं द्वारा निर्देशित प्रेक्षा-प्रवाह – शक्ति एवं शांति की ओर, प्रेक्षाध्यान कार्यशाला स्थानीय महिला मंडल द्वारा आयोजित की गई।

इस अवसर पर कार्यशाला की शुरुआत युवती बहनों ने महाप्रज्ञ अष्टकम के द्वारा की। महिला मंडल अध्यक्षा मंजू सामोता ने स्वागत करते हुए कार्यशाला में सम्मिलित महिला मंडल की बहनों एवं बाहर से पधारे अतिथिगणों का स्वागत किया। इसके पश्चात कुसुम कर्णावट, शीतल सामोता, चंद्रकला ने अपने विचार व्यक्त किए। साध्वी गीतार्थप्रभा जी ने 'Secrets Behind Your Sleep' का वैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषण किया। साध्वी प्राज्ञप्रभा जी ने खान-पान का नींद पर होने वाले प्रभाव को बताया।

साध्वी नमनप्रभा जी ने जप का प्रयोग कराया। इस अवसर पर साध्वी रचनाश्री जी ने कहा – नींद तब तक आती है जब तक दर्शनावरणीय कर्म विद्यमान है। घाति कर्म की समाप्ति के साथ ही नींद आना बंद हो जाती है। वह अप्रमत्त अवस्था होती है। किंतु प्रमत्त अवस्था में जब तक औदारीक शरीर है, तब तक नींद की आवश्यकता रहती है। जब तक भारूड पक्षी की तरह अप्रमत होकर नींद लेता है, तो वह ताकत बन जाती है।

आचार्य श्री तुलसी दिन-रात में 18 घंटे काम करते थे। बाकी 6 घंटे की नींद इतनी सजगता के साथ लेते थे कि वह उनकी ताकत बन जाती। नींद लेने का तरीका सही होना जरूरी है। अंत में आभार ज्ञापन लता धाकड़ ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन तेरापंथ महिला मंडल की मंत्री सुधा तलेसरा ने किया।

मासखमण तप अभिनंदन समारोह

पूर्वांचल कोलकाता।

मुनि जिनेशकुमार जी के सान्निध्य में स्वाति बोथरा के मासखमण की तपस्या पर जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा कोलकाता पूर्वांचल ट्रस्ट द्वारा भिक्षु विहार में मासखमण तप अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुनि जिनेश कुमार जी ने उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा तप से आत्मा परिशुद्ध होती है। तप से भव भ्रमण सीमित होता है। तप वह रसायन है जो तन और मन को ऊर्जा से भर देता है। वही व्यक्ति तप कर सकता है जिसका मनोबल मजबूत है।

स्वाति विनीत बोथरा ने मासखमण तप कर अद्भुत मनोबल को परिचय दिया है। इस अवसर पर साध्वीप्रमुखा श्री विश्रुतविभाजी दारा प्रदत्त संदेश का वाचन पूर्वांचल सभा के उपाध्यक्ष कमल सुराणा ने व अभिनंदन पत्र का वाचन सभा के मंत्री पंकज डोसी ने किया।

तप अनुमोदना में ज्योति कोठारी, विनीत कोठारी आदि ने अपने भाव व्यक्त किए।

सभा द्वारा तपस्विनी बहिन का सम्मान किया गया। आभार ज्ञापन सभा के सहमंत्री आलोक बरमेचा ने किया । कार्यक्रम का संचालन मुनि परमानंदजी ने किया।

सहजीवन सुमंगल कार्यशाला का सुंदर आयोजन

दक्षिण मुंबई।

'शासनश्री' साध्वी शिवमालाजी के सान्निध्य में कालबादेवी में दंपति शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें दंपति सहित लगभग 200 भाई-बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वीश्री ने नमस्कार महामंत्र से की। दक्षिण मुंबई महिला मंडल ने सुमधुर गीतिका की प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। फाउंडेशन के कार्याध्यक्ष गणपतलाल डागलिया ने सभी का स्वागत करते हुए इस कार्यक्रम की सराहना की। साध्वी अमितरेखा जी एवं साध्वी अर्हम प्रभा जी ने दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाने के लिए प्रेरक कहानियों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रस्तुत किया। सभा अध्यक्ष सुरेश डागलिया ने पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी उलझनों को कैसे सुलझाया जा सकता है, इस पर व्यावहारिक सुझाव दिए। दक्षिण मुंबई महिला मंडल ने परिसंवाद रील के माध्यम से रोचक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सी.ए. तरुणा बोहरा ने जीवन को सुखमय बनाने, परिवार में सामंजस्य बनाए रखने और एक-दूसरे की भावनाओं को समझने के उपयोगी सुझाव दिए। कार्यक्रम के मध्य में आचार्य भिक्षु के जीवन से जुड़ी घटनाओं को चित्रों के माध्यम से पहचानने और संबंधित गीत गाने जैसे रोचक सेगमेंट ने समागम को और भी आकर्षक बनाया। इसके अतिरिक्त मनोरंजक गेम्स ने कार्यक्रम में आनंद बढ़ाया। मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा ने भी अपने विचार साझा किए। 'शासनश्री' साध्वी शिवमाला जी ने प्रेरक कविता और कहानी के माध्यम से यह समझाया कि आजकल परिवार टूटने की स्थिति में है, क्योंकि छोटी-छोटी बातों पर भी कड़वाहट बनी रहती है। उन्होंने बताया कि परिवार में शांति पूर्ण व्यवहार से एकता बनी रहती है, तथा एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करना महत्वपूर्ण है।कार्यक्रम में फाउंडेशन, सभा, युवक परिषद, महिला मंडल, अणुव्रत समिति के पदाधिकारीगण की गरिमामय उपस्थिति रही। तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष गिरीश सिसोदिया ने बताया कि कार्यक्रम में किशोर मंडल और कन्या मंडल का भी सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का आभार महिला मंडल अध्यक्षा लतिका डागलिया ने व्यक्त किया। कुशल संचालन सभा के मंत्री दिनेश धाकड़ एवं शर्मिला धाकड़ ने पैरोडी अंदाज में किया।

मुमुक्षु बहनों का मंगल भावना समारोह

कोयंबतूर।

तेरापंथ भवन, कोयंबटूर में समणी जिनप्रज्ञा जी के सान्निध्य में मुमुक्षु अंजलि सिंघवी और मुमुक्षु दीक्षा छाजेड का मंगल भावना समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम के पूर्व शांतिलाल-मंजूबाई सिंघवी के निवास से भवन तक शोभा यात्रा निकाली गई। समणी जिनप्रज्ञा जी द्वारा नवकार मंत्र का उच्चारण एवं मंडल द्वारा मंगलाचरण के बाद सभा अध्यक्ष देवीचंद मांडोत, तेरापंथ ट्रस्ट प्रमुख बच्छराज गिडिया तथा तेयुप अध्यक्ष चैनरूप सेठिया ने मुमुक्षु बहनों के प्रति मंगलकामना व्यक्त की।

ज्ञानशाला के बच्चों एवं प्रशिक्षिकाओं ने मिलकर सुंदर संवाद प्रस्तुत किया। अध्यक्षा रूपकला भंडारी ने दोनों दीक्षार्थी बहनों की निर्विघ्न मंगल यात्रा की कामना की।

जैन महासंघ सचिव राकेश गोलछा, स्थानकवासी समाज से घीसूलाल हिंगड़ और मूर्ति पूजक संघ से गुलाब मेहता ने दीक्षार्थियों के प्रति मंगलकामना मय विचार व्यक्त किए। मंडल की बहनों द्वारा प्रस्तुत संवाद गीतिका हृदयस्पर्शी रही, जबकि कन्या मंडल द्वारा प्रस्तुत प्रेरणादायक नाटक ने सभी का मन मोह लिया। मुमुक्षु अंजलि के पारिवारिक सदस्यों ने अपनी भावनाएं संवाद, गीतिका एवं नाटक के माध्यम से प्रकट की।

समणी क्षांतिप्रज्ञा जी ने कहा कि शांति के साथ सजगता के भाव से संयम मार्ग पर चलना चाहिए। समणी जिनप्रज्ञा जी ने अपने उद्बोधन में आगम के तीन महत्वपूर्ण वाक्य — 'समयं गोयम् मा पमाइए', 'खणं जाणाहि पंडिए', 'काले कालं समायरे' — का अर्थ समझाया। मुमुक्षु अंजलि ने बताया कि इन तीन रत्नसमान वाक्यों को अपने जीवन में उतारा है।

दोनों दीक्षार्थियों को साधना की राह पर आत्मस्थ रहने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही कोयंबटूर क्षेत्र के लिए भी मंगलकामना की गई ताकि और संतानों को दीक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। उपासिका सुशीला बाफना और बेंगलुरु से विनोद कोठारी ने भी विचार रखे। मुमुक्षु अंजलि ने अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए। मुमुक्षु दीक्षा ने भी अपने संघर्ष एवं साधना की कहानी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का कुशल संचालन जैनसुख बैद द्वारा किया गया।

भव्य भक्ति संध्या का आयोजन

जयपुर।

तेरापंथ युवक परिषद्, जयपुर द्वारा अणुविभा केन्द्र, मालवीय नगर में भव्य भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ 'शासन गौरव', 'बहुश्रुत' साध्वी कनकश्री जी द्वारा नवकार महामंत्र से हुआ। साध्वीश्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'युवक जब भक्ति के रस में डूबते हैं तो आत्म-अवलोकन कर अपने जीवन को सार्थकता की ओर अग्रसर कर सकते हैं।' तेयुप जयपुर के अध्यक्ष रवि छाजेड़ ने स्वागत भाषण में कहा कि भक्ति जीवन की वह शक्ति है, जो जीवन को पावन, प्रेरणादायी और शुद्ध बनाती है।

परिषद् परिवार की ओर से पंचरंगा ओढ़ाकर प्रायोजक परिवार एवं समाज के गणमान्य महानुभावों का स्वागत-अभिनन्दन किया गया तथा प्रतीक चिन्ह प्रदान कर संगायकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा धर्मसंघ के संगायक कमल छाजेड़ एवं महेन्द्र सिंघी की प्रस्तुति। दोनों कलाकारों ने अपने भजनों से ऐसा सुरों का समा बांधा कि श्रोता भाव-विभोर हो उठे। इसके साथ ही समाज के गायक कलाकारों ने भी अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। भव्य संध्या में समाज की सभी सभा-संस्थाओं के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

आयोजन को सफल बनाने में प्रायोजक सुरेन्द्र, राजेन्द्र एवं निर्मल बरड़िया परिवार का विशेष योगदान उल्लेखनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन संयोजक श्रेयांस बैंगानी ने आकर्षक अंदाज़ में किया।

आयोजन की संयोजना में श्रेयांस बैंगानी, सुरेन्द्र नाहटा, करण नाहटा, अभिषेक भंसाली, रौनक बोकड़िया सहित तेयुप व किशोर मण्डल के सदस्यों का श्रम उल्लेखनीय रहा। आभार ज्ञापन मंत्री शरद बरड़िया ने किया।

तेरापंथ प्रीमियर लीग : साहित्य रॉयल टीम ने जीता खिताब

गंगाशहर।

तेरापंथ युवक परिषद गंगाशहर की ओर से आयोजित तेरापंथ प्रीमियर लीग एक अद्वितीय एवं रोचक आध्यात्मिक प्रतियोगिता शांतिनिकेतन प्रांगण में साध्वी विशदप्रज्ञा जी और साध्वी लब्धियशा जी के सान्निध्य में संपन्न हुई।

तेयुप उपाध्यक्ष प्रथम एवं प्रतियोगिता प्रभारी देवेंद्र डागा ने बताया कि TPL में कुल 8 टीमों ने भाग लिया। पहले दो दिनों में 12 लीग मैच खेले गए, जबकि 13 अगस्त को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले हुए।

फाइनल में साहित्य रॉयल और प्रतिज्ञा वारियर्स आमने-सामने थे। धीरेन्द्र बोथरा के नेतृत्व में साहित्य रॉयल ने विजयी ट्रॉफी अपने नाम की। सभी प्रतिभागियों को तेयुप गंगाशहर द्वारा पुरस्कृत किया गया। विजेता, उपविजेता के साथ सभी मैचों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द मैच भी दिए गए।

साध्वी लब्धियशा जी ने कहा कि तेयुप गंगाशहर की पूरी टीम, अंपायर और सभी सहयोगियों की पूर्ण जागरूकता एवं कर्तव्यनिष्ठा ने इस आयोजन को सफल बनाया है, सभी साधुवाद के पात्र हैं। साध्वी विशदप्रज्ञा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुरुषार्थ और भाग्य का यह सुंदर संगम सभी के ज्ञानवर्धन का कारण बना। साध्वी विधिप्रभा जी का भी इस कार्यक्रम में विशेष श्रम और योगदान रहा। तेयुप अध्यक्ष ललित राखेचा ने बताया कि निर्णायक के रूप में मनोज सेठिया और अशोक चोरड़िया ने सभी 15 मैचों में समयबद्धता और सजगता के साथ सटीक निर्णय दिए। स

ॖकोरर के रुप में मांगीलाल बोथरा और मयंक सेठिया ने भी पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर तेरापंथी सभा, महिला मंडल, अणुव्रत समिति, आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान सहित सभी संघीय संस्थाओं की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। तेयुप मंत्री मांगीलाल बोथरा ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता से 10 दिन पूर्व सभी 96 प्रतिभागियों को 400 प्रश्नों का सेट स्वाध्याय के लिए प्रदान किया गया था। टीमों का गठन भी रोचक तरीके से किया गया, जिससे सभी में उत्साह और प्रतिस्पर्धा का भाव बना रहा। पूरे आयोजन में सहमंत्री कुलदीप छाजेड़, संगठन मंत्री रोहित बैद, मयंक सेठिया, गौतम चौपड़ा, दिनेश सोनी, मुकेश डागा, विपिन बोथरा, गौरव डागा, धीरज जैन, हिमांशु सिंगी, मयंक सिंगी सहित पूरी टीम का विशेष योगदान रहा। संचालन तेयुप उपाध्यक्ष देवेन्द्र डागा ने किया। विजेता साहित्य रॉयल टीम ने तेरापंथ भवन में उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार जी के दर्शन किए। मुनिश्री ने सभी प्रतिभागियों को अध्यात्म के क्षेत्र में प्रगति करने की प्रेरणा दी और मंगलकामनाएं प्रदान कीं।

श्रावकत्व की उज्ज्वलता का प्रथम प्रयोग है ज्ञानशाला

किलपॉक, चेन्नई।

ज्ञानशाला भावी पीढ़ी में आध्यात्मिक संस्कार भरने का महान उपक्रम है। यह देन आचार्य तुलसी के सपनों की है। व्यक्ति, समाज व संघ के शुभ भविष्य के विकास में ज्ञानशाला बहुत बड़ा आधार है। ज्ञानशाला का मूल सूत्र है- घर घर जागे सत् संस्कार - ज्ञानशाला का यह उपहार। इस सूत्र के भाव से जुड़ा हुआ यह उपक्रम श्रावकत्व की उज्ज्वलता का प्रथम प्रयोग है। ये विचार मुनि मोहजीत कुमार जी ने श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, किलपॉक द्वारा समायोजित ज्ञानशाला दिवस के अवसर पर भिक्षु निलयम, किलपॉक में प्रकट किए। मुनि जयेशकुमार जी ने कहा कि सबसे पहले बच्चे अपनी प्रायोरिटिज का निर्धारण करें कि हमें किस दिशा की ओर गतिमान होना है। इसके लिए उनके भीतर आत्मविश्वास और संकल्प शक्ति का जागरण हो। ये दो ऐसे ब्रह्मास्त्र हैं जिनसे व्यक्ति सफलता की राह में आने वाली हर कठिनाई से पार पा सकता है। छोटी उम्र से जो बच्चे लक्ष्यबद्ध हो जाते हैं वे अपने जीवन में शिखरों को छू लेते हैं। मुनि भव्य कुमारजी ने ज्ञानार्थियों को आत्मभावना से भावित होने की प्रेरणा प्रदान की। इससे पूर्व ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों की रैली हुई। महाश्रमण हॉल में पहुंच रैली सभा में परिवर्तित हुई। तत्पश्चात ज्ञानशाला गीत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। स्वागत स्वर अध्यक्ष अशोकजी परमार ने प्रकट किया। आंचलिक संयोजिका अनिता चोपड़ा ने विचार प्रकट किए। ज्ञानार्थियों ने ज्ञानशाला की महत्ता पर भावपूर्ण ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के दूसरे चरण में ज्ञानशाला कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। मुनिश्री की प्रेरणा से 55 ज्ञानार्थियों ने अपनी काव्य प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संचालन सपना गादिया, मीना नाहर, दीप्ति नाहर ने किया।

प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का हुआ आयोजन

टिटिलागढ़। अभातेमम के निर्देशानुसार पर्युषण उपासना हेतु पधारे उपासक रमेश पटावरी एवं दीपक कोठारी की उपस्थिति में प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसका विषय था- 'आओ नींद को अपनी ताकत बनाएं'। नमस्कार महामंत्र एवं महिला मंडल के मंगलाचरण से कार्यशाला का प्रारंभ हुआ। महिला मंडल की मंत्री पूजा जैन ने सभी का स्वागत करते हुए कहा की नींद हमारी ऊर्जा एवं मानसिक शांति के लिए अत्यंत आवश्यक है। सुंदरी जैन ने प्रेक्षाध्यान गीत का संगान किया। उपासक रमेश पटावरी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि दिनभर हम शरीर, वाणी एवं मन से कार्यरत रहते हैं, इससे हमें शारीरिक थकान एवं मानसिक तनाव होता है। पर रात्रि में एक अच्छी नींद आ जाए तो सुबह हम तरो ताजा महसूस कर सकते हैं। आसन के प्रयोग, खानपान की शुद्धि और थोड़ी सी जागरूकता यदि जीवन में हो तो रात्रि में हम अच्छी नींद ले सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन रीना जैन ने किया।

17 सितम्बर 2025 को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के लिए प्राप्त बधाई संदेश

सेवा संस्कार संगठन

You have, you can... MEGA BLOOD DONATION DRIVE 17TH SEPTEMBER 2025

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

MESSAGE

It is heart-warming to learn about the 'Raktadan Amrit Mahtosav 2.0' organised by Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad.

This attempt to organise a potentially record-setting blood donation drive is both thoughtful and commendable. Given the Parishad's record massive drives earlier, I am confident that this initiative too will be successful.

For centuries, Seva or service has been the guiding principle of our society and culture. 'Seva Paramo Dharmah' has not just been an ideal, but a part of our daily lives.

Under the guidance of Acharya Shri Mahashraman Ji, the Parishad has been serving the society with ideals of service, compassion and non-violence. He has carried forward the glorious traditions of Seva of an illustrious lineage of great saints.

Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad has been a platform for social service and community empowerment. The principle of universal welfare has been a belief that has been put to practice in every activity undertaken.

The Parishad's effort to serve the society through this blood donation drive on September 17 has touched me deeply. Blood donation is an act of kindness toward humanity and will go a long way in saving countless lives. Such selfless deeds reflect and reaffirm our time-tested ethos of service and compassion for one and all.

As India marches ahead confidently toward fulfilling the resolve of Viksit Bharat by 2047, the contribution of institutions such as Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad will be crucial to this endeavour.

Wishing the Parishad every success in every meaningful effort for the greater good of humanity.

Best wishes for your future endeavours.

(Narendra Modi)

New Delhi
भाद्रपद 21, शक संवत् 1947
12 September, 2025

ओम प्रकाश माथुर
Om Prakash Mathur

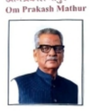

राज्यपाल सिक्किम
GOVERNOR OF SIKKIM

राज भवन
गान्तोक–737103
(सिक्किम)
RAJ BHAVAN
GANGTOK-737103
(SIKKIM)

SKM/GOV/MSG/2025/71
Date: 13th September, 2025

MESSAGE

I am delighted to learn that Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP) is organizing the 'Raktdan Amrit Mahotsav 2.0' on 17th September, 2025. The initiatives of ABTYP are a commendable example of dedicated community service. Through their sustained campaigns in the field of healthcare, they have demonstrated how collective action can effectively respond to some of society's most urgent needs. Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 continues this mission by inspiring people across the globe to contribute to a life-saving cause.

Blood donation forms a vital foundation of healthcare. Such a campaign not only helps reduce the gap between requirement and availability but also promotes greater awareness about the significance of voluntary participation. By mobilizing youth and communities at such scale, ABTYP is nurturing a culture of compassion, responsibility and service that transcends recognition.

I extend my best wishes to ABTYP for this noble endeavour and hope their efforts achieve great success in the times ahead.

With Regards.

(Om Prakash Mathur)

अध्यक्ष, लोक सभा
SPEAKER, LOK SABHA
INDIA

Message

I am pleased to know that Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP) is organising the '**Raktdan Amrit Mahotsav 2.0**' on 17 September 2025.

Through its wide-ranging healthcare initiatives, especially in blood donation, ABTYP has shown how organised effort and social commitment can make a real difference. The success of its past campaigns reflects both dedication and compassion. Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 is a continuation of this service, inspiring people across the world to come forward for a life-saving cause.

Blood donation is a lifeline for patients in need. A campaign of this scale will not only help reduce the gap between demand and supply but also spread awareness about the importance of voluntary contribution. By motivating youth and communities to participate, ABTYP is strengthening the spirit of service, responsibility and humanity in society.

I convey my best wishes to ABTYP, its members and volunteers for the success of this noble initiative. May their efforts bring hope and relief to many lives.

(Om Birla)

पीयूष गोयल
PIYUSH GOYAL

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF COMMERCE & INDUSTRY
GOVERNMENT OF INDIA

MESSAGE

I am delighted to learn that Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP) is organizing the 'Raktdan Amrit Mahotsav 2.0' on 17th September, 2025.

The initiatives of ABTYP are a commendable example of dedicated community service. Through their sustained campaigns in the field of healthcare, they have demonstrated how collective action can effectively respond to some of society's most urgent needs. Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 continues this mission by inspiring people across the globe to contribute to a life-saving cause.

Blood donation forms a vital foundation of healthcare. Such a campaign not only helps reduce the gap between requirement and availability but also promotes greater awareness about the significance of voluntary participation. By mobilizing youth and communities at such scale, ABTYP is nurturing a culture of compassion, responsibility and service that transcends recognition.

I extend my best wishes to ABTYP for this noble endeavour and hope their efforts achieve great success in the times ahead.

Piyush Goyal

जी. किशन रेड्डी
జి. కిషన్ రెడ్డి
G. Kishan Reddy

कोयला एवं खान मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली
MINISTER OF COAL AND MINES
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI

Message

My heartfelt congratulations to the Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad for their outstanding dedication to social welfare. Your consistent and unwavering commitment to blood donation is a true testament to the power of compassion and solidarity.

The Raktdan Amrit Mahotsav 2.0, scheduled for September 17, 2025, is a significant event. Giving blood is a heartfelt gesture—one donation can save a life in need. Your efforts to spread awareness and encourage young people to participate in this noble cause are inspiring. By guiding their enthusiasm, you are shaping a generation that values empathy and public service, making the community stronger and kinder.

I sincerely wish you continued success for this wonderful event and in all your future initiatives. May your spirit of service inspire many more to join your mission, creating positive change and hope for all.

(G. Kishan Reddy)

Office : Room No. 353, 'A' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhawan, New Delhi-110001, Tel. : 23387277, 23383109, 23386402
Residence: 6, Ashoka Road, New Delhi- 110001, Tel: 21411415, 21411403

नितीन गडकरी
NITIN GADKARI

मंत्री
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग
भारत सरकार
Minister
Road Transport and Highways
Government of India

514
क्र. ..../बीजापी/वी/२०२२
दिनांक 24 AUG 2025

शुभकामनाएं

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद 'रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0' के राष्ट्रीय स्तर के महाअभियान के लिए शुभकामनाएँ। रक्तदान, जीवन दान के समान है और समाज में स्वास्थ्य और मानवता के संदेश को फैलाने में यह अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आपका यह प्रयास न केवल रक्तदाताओं की संख्या बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि समाज में सेवा भाव, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रभक्ति की भावना को भी प्रबल करेगा। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि इसी उत्साह और समर्पण के साथ इस महाअभियान को सफल बनाएं।

इस पुनीत कार्य के लिए मैं आप सभी को शुभकामनाएँ देता हूँ। ईश्वर आपके प्रयासों को सफल बनाए और समाज में स्वास्थ्य एवं मानव सेवा का संदेश देता रहे।

भवदीय
(नितिन गडकरी)

श्री. अंकुर बोरड
मंत्री, तेरापंथ युवक परिषद
मो. ९३२५६२२२७५

Room No. 501, Transport Bhawan, 1, Sansad Marg, New Delhi – 110 001, Tel.: 011-23710121, 23711252 (O), 2371902
E-mail: nitin.gadkari@nic.in; website-www.morth.nic.in
Camp Office Nagpur : Gadkari Wada, Upadhye Road, Mahal, Nagpur - 440032(M.S.)
Tel.: 0712-2239918/20/22/23/24 Email : office@nitingadkari.net

---

Harsh Sanghvi

Minister of State
Sports, Youth Service, Co-ordination of voluntary organization, Non-resident Gujaratis' Division, Transport, Gruh Rakshak Dal and Gram Rakshak Dal, Civil Defence, Jail, Border Security (All Independent Charge), Home and Police Housing, Industries, Cultural Activities (State Minister)
Government of Gujarat

893
Date: 26 AUG 2025

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदीजी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर आयोजित हो रही आपकी आगामी भव्य पहल मेगा "ब्लड डोनेशन ड्राइव – रक्तदान अमृत महोत्सव २.०" के लिए हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

"रक्त के अभाव में किसी की मृत्यु न हो" – इस पावन संकल्प को धारण कर अभातेयुप ने मानव सेवा के क्षेत्र में एक अद्वितीय पहचान बनाई है। मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव केवल एक सामाजिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि करुणा, जिम्मेदारी और सामूहिक शक्ति का सशक्त उदाहरण है। आपके इस अद्वितीय प्रयास को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एवं वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज होने का गौरव प्राप्त हुआ है, जो सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है।

जैन श्वेतांबर तेरापंथ संघ के ग्यारहवें आचार्य, आचार्य श्री महाश्रमण जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से अभातेयुप निरंतर आगे बढ़ रहा है। उनका संदेश – अहिंसा, संयम, नैतिकता और निःस्वार्थ मानव सेवा – आपके प्रत्येक कार्य में झलकता है और इस आंदोलन को केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दिशा भी प्रदान करता है।

इस पुनीत कार्य से अभातेयुप ने समाज के हर वर्ग – राजनीतिक नेताओं, फिल्मी जगत, खेल जगत और आम नागरिकों को एक साथ जोड़कर मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस अवसर पर मैं "रक्तदान अमृत महोत्सव २.०" की सफलता के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। यह पावन अभियान भारत को रक्त के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम सिद्ध हो और समाजसेवा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ स्थापित करे, यही मंगलकामना है।

भवदीय,
(हर्ष संघवी)

प्रति,
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद
युवालोक, जैन विश्व भारती परिसर
लाडनूं – ३४१३०६ जि. डिडवाना कुचामन, राजस्थान
मो. ८२९०६२६७६७

Swarnim Sankul - 2, 1st Floor, Sardar Bhavan, New Sachivalaya, Gandhinagar-382 010
Phone No.: (0) 079-23251958/59/60/61/63 | Fax No.: 079-23251962
Website: www.harshsanghavi.in | E-mail: min-home@gujarat.gov.in

---

मुख्यमन्त्री
कोशी प्रदेश, विराटनगर, नेपाल

शुभकामना

[illegible]

हिक्मत कुमार कार्की
मुख्यमन्त्री
कोशी प्रदेश
मुख्यमन्त्री

सी आर पाटील
C R Paatil

जल शक्ति मंत्री
भारत सरकार
Minister of Jal Shakti
Government of India

MESSAGE

It is a matter of immense pleasure to learn that Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP) is organizing the 'Raktdan Amrit Mahotsav 2.0' on 17th September, 2025.

The exemplary initiatives of ABTYP are an example of dedication towards community service. For centuries, Seva or service has been the guiding principle of our society and culture. 'Seva Paramo Dharmah' has not just been an ideal, but a part of our daily lives. Under the guidance of Acharya Shri Mahashraman Ji, the Parishad has been serving the society with ideals of service, compassion and non-violence. He has carried forward the glorious traditions of Seva of an illustrious lineage of great saints.

Through their sustained campaigns in the field of healthcare, they have demonstrated how collective action can effectively respond to some of society's most urgent needs. Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 continues this mission by inspiring people across the globe to contribute to a life-saving cause, echoing the vision of Prime Minister Shri Narendra Modi to promote people's participation in coming together for nation-building, and fulfilling the resolve of Viksit Bharat.

Blood donation forms a vital foundation of healthcare, Such a campaign not only helps reduce the gap between requirement and availability but also promotes greater awareness about the significance of voluntary participation. By mobilizing youth and communities at such scale, ABTYP is nurturing a culture of compassion, responsibility and service that transcends recognition.

Wishing the Parishad every success in every meaningful effort for the greater good of humanity.

C R PAATIL

जल शक्ति अभियान

Office : 210, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
Tel: No. (011) 23711780, 23714663, 23714200, Fax : (011) 23710804
E-mail : minister.jalshakti@gov.in

अनुप्रिया पटेल
ANUPRIYA PATEL

राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
व रसायन एवं उर्वरक
भारत सरकार
MINISTER OF STATE
HEALTH & FAMILY WELFARE
AND CHEMICALS & FERTILISERS
GOVERNMENT OF INDIA

Message

It gives me immense pleasure to note that the Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad, Ladnun, Rajasthan has been continuously working towards the noble cause of blood donation along with several other meaningful social welfare activities. Blood donation is indeed a profound act of service where one person's selfless gesture becomes another's lifeline and every drop donated carries with it a powerful message of compassion and solidarity.

The dedicated efforts of the Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad to create awareness, break prevailing taboos, and inspire the active participation of youth in such humanitarian causes are truly commendable. By channelising the energy of the younger generation towards service, the Parishad is nurturing a spirit of responsibility, empathy, and universal brotherhood, thereby strengthening the very fabric of society.

I extend my sincere and heartfelt wishes to the organisation for the continued success of its noble initiatives. May their exemplary zeal and unwavering dedication keep inspiring individuals and communities alike, motivating many more to join hands in this mission of service, solidarity, and social upliftment.

(Anupriya Patel)

August 21, 2025
New Delhi

कमरा सं. 650, छठा तल, 'ए' विंग, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011, फोन : +91-11-23061998, 23062427
Room No. 650, 6th Floor, 'A' Wing, Nirman Bhawan, New Delhi-110011, Tele : +91-11-23061998, 23062427
E-mail: mosap-mohfw@gov.in

UNIVERSITY OF MUMBAI
NATIONAL SERVICE SCHEME

Web site- www.nssmu.in
Vidyapeeth Vidyarthi Bhavan,
2nd Floor, 'B' Road, Churchgate,
Mumbai – 400 020.
No. NSS/ECD/2025-2026/171
Date:- 08.09.2025

To,
The Principal of Colleges having NSS Units affiliated to University of Mumbai.

Sub:- Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 - Blood Donation Campaign on 17th September, 2025 jointly by Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad.

Respected Sir,

With reference to above letter **received from Directorate of NSS New Delhi & Ministry of Youth Affairs NSS Section New Delhi on the above subject (Copy enclosed), it is to inform that NSS units shall extend support and collaboration towards organizing of Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 on 17th September 2025, by Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP) & NSS at various locations /Districts in Maharashtra enclosed herewith**

All NSS College NSS Unis/ NSS Program Officers are requested to support and collaborate for Global Humanitarian Day initiative to conduct Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 on 17th September 2025 with the involvement of NSS Volunteers. **Please find attached the list of places where blood donation camps are planned to be organized on 17th September 2025 along with District / State Coordinators of ABTYP where blood donation camps are required to be organised. Required logistics and expenditure will be arranged by the organisers.**

Photographs & reports of the Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 on 17th September 2025 conducted in collaboration with ABTYP shall be submitted to respective NSS District Co-ordinator.

With regards,

Yours sincerely,

Mr. Sushil Shinde
OSD, NSS

भारत सरकार
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय
३, चर्च लेन, कोलकाता-७०० ००१
दूरभाष : 033 2243 9233
ई-मेल : kolkata-nss@nic.in
rdnsskolkata@gmail.com

Government of India
Ministry of Youth Affairs & Sports
Regional Directorate of NSS
3, Church Lane, Kolkata - 700 001
Ph. : 033 2243 9233
E-mail : kolkata-nss@nic.in
rdnsskolkata@gmail.com

F.NO-P- 32-1/NSS/RD/KOL/ 2025-2026/4019-4092 Dated the 4th September, 2025

To,

The State NSS Officer
Dept. of Higher Education
Govt. of West Bengal
Bikash Bhavan, Salt Lake- 700091

The programme Coordinator, NSS
All Universities/ Institutions/ +2 Council
West Bengal

Sub- Request for active participation of NSS Volunteers in Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 – Mega Blood Donation Drive on 17th September, 2025

Madam/ Sir,

With reference to the letter No. *K-11032/3/2023-NSS* dated 29.08.2025, received from the Under Secretary, NSS (Enclosed) on the subject cited above, I am directed to inform you that Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP), a nationally renowned organization particularly in the healthcare sector, has been consistently undertaking large-scale humanitarian initiatives. The organization successfully organized *Raktdan Amrit Mahotsav* in 2022 and *Raktdan Amrit Smaranotsav* in 2023, which witnessed remarkable participation and impact. This year, on the occasion of Global Humanitarian Day, *Raktdan Amrit Mahotsav 2.0* is being organized nationwide on 17th September, 2025. Active involvement of NSS volunteers in this noble endeavour will not only contribute significantly to the success of the campaign but will also empower NSS volunteers with invaluable experience in organizing and managing large-scale social service initiatives, thereby enhancing their leadership and capacity-building skills.

In this connection, you are requested to circulate this information among all the NSS Units under your jurisdiction to extend your support in organizing Mega Blood Donation Camps across all University/Institutions in West Bengal on 17th September, 2025. All the NSS Programme Officers are requested to motivate and engage the maximum number of NSS Volunteers to participate in the campaign and donate blood to make this event a grand success. For any further clarification regarding the necessary arrangements, institutional responsibility to organise the above said blood donation Camp programme Shri Dip Chand Puglia (+91 8942927077) from ABTYP shall be contacted.

Therefore, you are cordially request to organise blood donation camp in your esteemed University in collaboration with ABTYP involving maximum blood donors and also take initiative to encourage all Institutions under your jurisdiction to show their willingness

---

Government of India
Ministry of Youth Affairs & Sports
Regional Directorate of NSS
Kendriya Sadan, Fourth Floor,
Sector -9A, Chandigarh- 160009

Most Urgent-Immediate-Time Bound

F.No. P3/Mis/NSS/RD/CH/2025-2026/1866-1963 Dated the: 11th September, 2025

To,
The State NSS Officer,
Punjab, H.P & UT Chandigarh

Sub: Most Urgent-Immediate-Time Bound-Request for support Collaboration towards Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 - reg.

Sir/Madam,

In continuation to this office previous communication vide email dated 01.09.2025 regarding collaboration with Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP) for organization of **Raktdan Amrit Mahotsav 2.0**. Kindly find attached the Ministry's letter No. K-11032/3/2023-NSS dated 29th August, 2025 vide which the approval of competent authority has been received **for supporting and collaborating towards organizing of Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 on 17th September, 2025 by Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP)** (copy enclosed).

In this regard, it is informed that the expenses and other logistics (i.e. Blood collection team, refreshment etc.) for organizing the Blood Donation camps will be borne by the Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP).

Therefore, you are requested to disseminate the same among all the Universities, Colleges, Schools, NSS Units/Volunteers under your jurisdiction through NSS Programme Coordinators and their respective Principals with necessary directions in writing to support and collaborate on this humanitarian initiative. **Kindly find attached the list of places where blood donation camps are planned to be organized on 17th September, 2025** along with State Coordinators details of ABTYP. **If you have any query/clarification regarding the expenses and other logistics for this prgoramme, you may contact the following State Coordinators of ABTYP.** The Details of State Coordinator along with contact no. in R/o Punjab, H.P & UT Chandigarh is as follow for necessary coordination for successful conduct of **Raktdan Amrit Mahotsav 2.0.**

Name of State/UT	Name of ABTYP State Coordinator	Mobile	Email Id
Punjab & UT Chandigarh	Sh. Mohit Goel	9877017775	goelmohit775@gmail.com
Himachal Pradesh	Sh. Pawan Naulakha	8567066061	pawannaulakha@gmail.com

The matter may be treated as **Most Urgent** and accorded **Top Priority.**
Encls: As above.

Yours faithfully,
(Jai Bhagwan)
Regional Director

भारत सरकार
Government of India
गृह मंत्रालय–सीमा सुरक्षा बल
Ministry of Home Affairs, Border Security Force
मुख्यालय राजस्थान फ्रन्टियर, जोधपुर (राजस्थान)
HQ Rajasthan Frontier, Jodhpur (Rajasthan)
चिकित्सा शाखा
Medical Branch

पोस्ट ऑफिस–मण्डोर रोड
PO- Mandore Road
जिला–जोधपुर (राजस्थान)
Distt-Jodhpur Rajasthan)
(E-Mail-rajftr@bsf.nic.in)
Fax No.-0291-2570060

संख्या : मेडि० शाखा/रक्तशिविर/राज०–फ०/25/15535-55 दिनांक 04 सितम्बर 2025

Mr. Hitesh Bhandia,
Chief Convenor- MBDD,
Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad

SUB : PERMISSION CONFIRMATION FOR ORGANIZING BLOOD DONATION CAMP AT BSF CAMPUS, MANDOR ROAD, RAJASTHAN.

Ref your letter No. Nil dated nil.

It is to inform that permission has been granted to your organization to organize a Blood Donation Camp on 17th Sep 2025 at CH BSF Jodhpur, BSF Campus, Mandor Road, Rajasthan on the occasion of 'Raktdan Amrit Mahotsav 2.0'.

2. We appreciate your initiative towards this noble cause and extend our best wishes for the successful organization of the camp. Kindly ensure that all necessary safety protocols and medical guidelines are strictly followed during the event.

3 You may be contacted with DIG (Medical), FTR HQ BSF Rajasthan for any assistance or clarification.

(डॉ० मिली नाग बिस्वास)
उप महानिरीक्षक (चिकित्सा)
फ्रन्टियर मुख्यालय, सी०सु०बल राजस्थान

N.O.O.

01. CH BSF Jodhpur : For info w.r.t. to this office ION No. 749-50 dated 01st Sep 2025 and request necessary arrangement may be done at your composite hospital on 17th Sep 2025.For smoothly organazing at blood donation camp on 17 Sept 2025.

02. Adm Branch : Motivate to troops of this HQ for donation their blood on the occasion of 'Raktdan Amrit Mahotsav 2.0'.

[illegible]

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA
रेल मंत्रालय MINISTRY OF RAILWAYS
रेलवे बोर्ड RAILWAY BOARD

International Year of Cooperatives 2025

No. 2025/PR/11/20 Dated: 02.09.2025

Chief Convener
Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad
Malaviya Nagar, Jaipur-302017

Sub: Grant of permission to use the logo of Indian Railways for Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 World's Largest Blood Donation comp to be organized at multiple locations on 17.09.2025.

In reference to your letter addressed to the Hon'ble Minister of Railway, Railway Board dated 02nd Sep 2025 regarding the subject cited above, it is informed that Ministry of Railways has no objection in allowing the use of Indian Railways' logo for Raktdan Amrit Mahotsav 2.0- World's Largest Blood Donation camp to be organized at multiple locations on 17.09.2025, subject to the following conditions:

a. Indian Railways' logo is not used for any personal or commercial gains of any individual/ organization;
b. The organizers shall give credit to the Indian Railways in the event being organized by them;
c. There shall be no financial commitment by Ministry of Railways.
d. The organizers do not project that the event is being sponsored by the Ministry of Railways.
e. The IR logo will be used exclusively for organizational activities (non-financial) and not for seeking donations/financial help from the open market for organizing the event.
f. The logo of the Ministry should be used correctly.

2. You are requested to provide high resolution photographs and video of the said event to be used for internal publicity of Indian Railways.

3. High Resolution file of approved logo of Indian Railways is being sent via email. It may be downloaded from the following URL also:

https://indianrailways.gov.in/railwayboard/view_seltion.jsp?id=0,1,304,366,522

4. This issues with the approval of the Competent Authority.

(Mandeep Kumar)
Dy. Director/Public Relations
Railway Board

Room no. 311, Rail Bhawan, Raisina Road, New Delhi – 110001, Tel.No. 011-47845379
Email: pr.rlybd@gmail.com, pr.rlybd@rb.railnet.gov.in

भारत सरकार/GOVERNMENT OF INDIA
रेल मंत्रालय/MINISTRY OF RAILWAYS
(रेलवे बोर्ड /RAILWAY BOARD)

No. 2025/Sec(Spl)/100 /10 New Delhi, dated. /09/2025

Principal Chief Security Commissioners/RPF,
CR, ER, NFR , NWR, SCR, SER, SR, SWR & WR.

Sub:- Mega Blood Donation Drive –" **Raktdan Amrit Mahotsav 2.0".**

***

It is informed that Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP) in collaboration with the Ministry of Health & Family Welfare (MoH&FW) is organizing the **Mega Blood Donation Drive – Raktdan Amrit Mahotsav 2.0** on **17th September, 2025** at various locations across the country. The event aims to create a nationwide movement for voluntary blood donation.

In this connection, it is requested to issue necessary instructions to all RPF units under your jurisdiction to extend cooperation and encourage maximum participation of RPF personnel in the said drive. The PCSCs are also requested to make appropriate arrangements for organizing/associating with the Mega Blood Donation Drive at **zonal as well as divisional levels** in coordination with ABTYP and local health authorities.

For any further details or inquiries, ABTYP's Chief Convenor **Shri Hitesh Bhandia** may be contacted directly. The contact details of Shri Bhandia are available in the reference letter of ABTYP (copy enclosed).

This issues with the approval of competent authority.

Encl:-01

(S. Sudhakar)
DIG/Projects/NR
at Railway Board

17 सितम्बर 2025 को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 की आसमान से लेकर धरती तक गूंज

स्काई डाईविंग के द्वारा आकाश से छलांग लगाकर रक्तदान के लिए प्रेरित करते हुए

दुबई में हुआ एमबीडीडी का अनोखा प्रचार

विदेशी धरती पर हुआ रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 का आयोजन

आस्ट्रेलिया	कैलिफोर्निया	तुर्की	फिलीपीन्स	बेनिन	युक्रेन
इंडोनेशिया	जर्मनी	थाईलैंड	बांग्लादेश	बेल्जियम	युके
ओमान	जापान	युएई	बर्मा	मिस्त्र	श्रीलंका
ओसलो	साउथ अफ्रीका	नीदरलैंड	सिंगापुर	मॉरीशस	स्पेन
कनाडा	टोगो	नेपाल	बाली	युएसए	

अबू धाबी

जोहान्सबर्ग

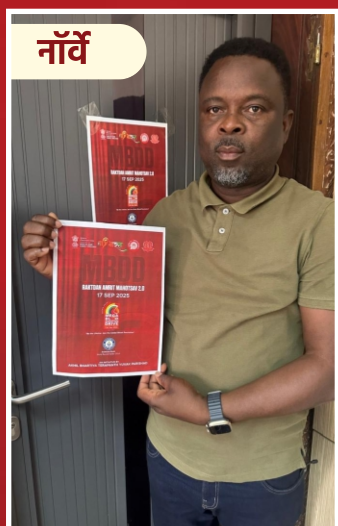
नॉर्वे

युएसए

बांग्लादेश

काहिरा, मिस्त्र

न्यूजर्सी

पद्मश्री अगस इन्द्रा उदयाना, बाली

लंदन

आस्ट्रेलिया

म्यूनिख

लंदन

जर्मनी

युएसए

बाली

17 सितम्बर 2025 को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 बना भारतीय अखबारों की हेडलाईन

MEGA BLOOD DONATION DRIVE
17th SEPTEMBER 2025

ನಾಳೆ ವಿಶ್ವದ ಅತಿದೊಡ್ಡ ರಕ್ತದಾನ ಅಭಿಯಾನ

ನಾಳೆ ರಾಜಧಾನಿಯ 46 ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಬೃಹತ್ ರಕ್ತದಾನ ಶಿಬಿರ

ವಿಶ್ವದ ಅತಿ ದೊಡ್ಡ ರಕ್ತದಾನ ಅಭಿಯಾನ

ક્રાઈમ ડીવીઝન

तेरापंथ युवक परिषद् वापी द्वारा अन्य 903 यूनिट रक्त एकत्र किया गया रक्त क्रांति का नया अध्याय...

ਅਖਿਲ ਭਾਰਤੀਆ ਤੇਰਾ ਪੰਥ ਜੈਨ ਯੁਵਕ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ ਵੱਲੋਂ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ਖ਼ੂਨ ਦਾਨ ਕੈਂਪ

అఖిల భారతీయ తేరాపంథ్ యువక్ పరిషద్ ... రేపు రక్తదాన అమృత మహోత్సవం

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के रक्तदान अमृत महोत्सव रक्तदान शिविर में 1,00,212 यूनिट रक्तदान हुआ

रक्तदान शिविर में युवाओं ने दिखाया उत्साह

ఆంధ్రప్రభ

విశాఖలో 17న మెగా రక్తదాన శిబిరం

વાપી સહિત ૧૭ સ્થળોએ બુધવારે રક્તદાન શિબિર

जैनम टाइम्स

तेरापंथ युवक परिषद टोहाना की रक्तदान एवं नशा मुक्ति प्रोत्साहन यात्रा

17న మెగా రక్తదాన శిబిరం

ఈనాడు విశాఖపట్నం

17న మెగా రక్తదాన శిబిరం

Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP) and RED DROP Organize Mega Blood Donation Camp Across Kashmir

वापी અને સંઘપ્રદેશના ૯૦૩ રક્તદાતાઓએ રક્તદાન કર્યું

तेरापंथ युवक परिषद के संभाग में लगे 47 रक्तदान शिविर, 7243 यूनिट रक्त किया संग्रह

रक्तदान जीवन दान की परिकल्पना को किया साकार, शिविर में उमड़े सेवाभावी

रक्तदान अमृत महोत्सव में लगाल गेलक 40 से बेसी सिबिर

Akhil Bhartiya Terapanth Yuvak Parishad (ABTYP) and RED DROP Organize Mega Blood Donation Camp Across Kashmir

बीकानेर जिले में किया 3024 यूनिट रक्तसंग्रह

देशभक्ति और मानव सेवा का अनूठा उदाहरण: अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद का रक्तदान महाअभियान सफल

THE ECHO OF INDIA

किसी और की 'जिंदगी' की खातिर 'रक्त' देने होड़ मची

अमृत महोत्सव : तेरापंथ युवक परिषद ने कीर्तिमान रचा

करेड़ा में पहली बार

LG inaugurates blood donation camp at JNRM

धर्म-समाज-संस्था

ग्रामीण अंचल के 6 स्थानों पर तेयुप का मेगा ब्लड डोनेशन शिविर लगा, 2282 युवकों और महिलाओं ने किया रक्तदान

୧୨୧ ଜଣ କଲେ ସ୍ୱେଚ୍ଛାକୃତ ରକ୍ତଦାନ

17 सितम्बर 2025 को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 में पहुंचे गणमान्यजन

महामहिम आचार्य देवव्रत-राज्यपाल, भूपेन्द्र भाई पटेल-मुख्यमंत्री, गुजरात

महामहिम हरिबाबू खंबापति, राज्यपाल, ओडिसा

महामहिम डी. के. जोशी-उपराज्यपाल, अंडमान और निकोबार

अश्विनी वैष्णव-रेलवे मंत्री, भारत सरकार

मनसुख मंडाविया-श्रम एवं रोजगार और युवा मामले एवं खेल मंत्री, भारत सरकार

अन्नुप्रिया पटेल-स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन, उर्वरक मंत्री, भारत सरकार

अर्जुनराम मेघवाल-केन्द्रीय कानून मंत्री, भारत सरकार

भजनलाल शर्मा-मुख्यमंत्री, राजस्थान

देवेन्द्र फडणवीस-मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

प्रतापराव जाधव-राज्य आयुष मंत्री, भारत सरकार, एकनाथ शिंदे-उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

विवेक आनंद ओबेरॉय, फिल्म अभिनेता

एल. मुर्गन-सूचना एवं प्रसारण मंत्री, भारत सरकार

भागीरथ चौधरी-कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार

सी. आर. पाटिल-जलशक्ति मंत्री, भारत सरकार

डॉ. रामदास अट्ठावले-सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण राज्य मंत्री, भारत सरकार

सेवा संस्कार संगठन

17 सितम्बर 2025 को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 में पहुंचे गणमान्यजन

You have, you can... MEGA BLOOD DONATION DRIVE 17th SEPTEMBER 2025

ऋषिकेश भाई पटेल-स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, गुजरात

किशनपाल गुर्जर-सहकारिता मंत्री, हरियाणा

गणेश नायक-मंत्री वन विभाग, महाराष्ट्र

हर्ष संघवी-गृह राज्य मंत्री, गुजरात

गौतम कुमार दक-राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राजस्थान

राजेश अग्रवाल-पूर्व केबिनेट मंत्री, उत्तर प्रदेश

वासुदेव देवनानी-सभापति, राजस्थान विधानसभा

कंवरपाल सिंह गुज्जर-पूर्व सभापति, हरियाणा विधानसभा

संबित पात्रा-राष्ट्रीय प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी

तरुण चुग-राष्ट्रीय महासचिव, भारतीय जनता पार्टी

सुनील बंसल-राष्ट्रीय महासचिव, भारतीय जनता पार्टी

योगिता सिंह-उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली

मंजु शर्मा-सांसद, पुनीत कर्णावट-उप महापौर, जयपुर,

नरेन्द्र भाई पाटिल-उप महापौर, सुरत नगर निगम

सुमन बहमनी-महपौर, यमुनानगर-जगाधरी नगर निगम

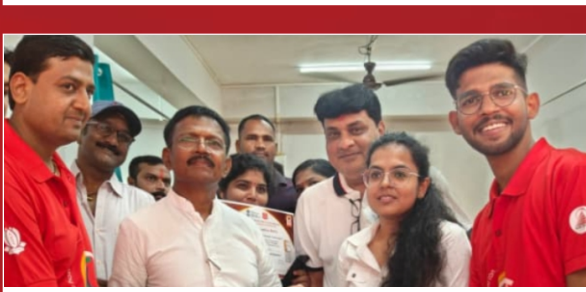

बलभद्र माझी-सांसद, लोकसभा क्षेत्र, नबरंगपुर

श्रेयांस एम. पटेल-सांसद, लोकसभा क्षेत्र, हासन

राजू बिस्टा-सांसद, लोकसभा क्षेत्र, दार्जिलिंग

दामोदर अग्रवाल-सांसद, लोकसभा क्षेत्र, भीलवाड़ा

दग्गुबाती पुरंदेश्वरी-सांसद, लोकसभा क्षेत्र, राजमुंद्री

डॉ. के. लक्ष्मण-राज्यसभा सांसद, उत्तर प्रदेश

17 सितम्बर 2025 को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 में पहुंचे गणमान्यजन

राकेशभाई देसाई-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, नवसारी

जब्बर सिंह-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, आसींद

हरि सिंह-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, भीम

मनोज न्यांगली-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, सादुलपुर

शंकर घोष-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, दार्जिलिंग

विजय खेमका-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, पूर्णिया

श्वेता सिंह-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, बोकारो

गोपीचंद कुंडलिक पडळकर-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, जाट

महेश त्रिवेदी-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, किडवाई नगर

गणपत भाई-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, मांगरोल

संजय गोविंद पोटनिस-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, कलिना

अश्रित पटनायक-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, पिपली

घनश्यामदास अरोड़ा-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, यमुनानगर

अशोक कोठारी-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, भीलवाड़ा

लादूलाल पितलिया-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, सहाड़ा

कैलाश वर्मा-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, बगरू

गौरीशंकर माझी-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, नबरंगपुर

संगीता बेन पाटिल-विधायक, विधानसभा क्षेत्र, लिम्बायत

17 सितम्बर 2025 को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आयोजित रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 साइक्लोथॉन, वॉकोथॉन आदि

दीक्षार्थी मंगल भावना समारोह का भव्य आयोजन

पूर्वांचल, कोलकाता।

मुनि जिनेश कुमार जी के सान्निध्य में दीक्षार्थी अर्हम् सिंघी का दीक्षार्थी मंगल भावना समारोह का भव्य आयोजन जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा (कोलकाता - पूर्वांचल) ट्रस्ट द्वारा भिक्षु विहार में किया गया। इस अवसर पर बृहत्तर कोलकाता के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री जिनेश कुमार जी ने कहा - धर्म का मूर्त रूप है दीक्षा। चेतना के रूपान्तरण की प्रक्रिया का नाम है - दीक्षा। दीक्षा एक प्रकार का शपथ व संस्कार है, अहंकार व ममकार के विसर्जन का नाम है। दीक्षा वही ग्रहण कर सकता है जिसे वैराग्य हुआ हो।

वैराग्य तीन प्रकार से हो सकता है - दुःख मूलक वैराग्य, मोह मूलक वैराग्य, ज्ञान मूलक वैराग्य। ज्ञान मूलक वैराग्य सर्वश्रेष्ठ होता है। उन्होंने आगे कहा - माँ कहती है बेटा रो मत, गुरु कहते है चेतन सो मत और जिनवाणी कहती है अनमोल समय खो मत। दीक्षार्थी के लिए चार बातें जरुरी है - पापों के प्रति विरक्ति बढ़े, विनय सम्पन्नता बढ़े, साधना की रूचि बढ़े, प्रभु आज्ञा के प्रति समर्पण भाव बढ़े। पूर्वांचल कोलकाता का दीक्षार्थी अर्हम् सिंघी अहमदाबाद में आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन चरणों में मुनि दीक्षा ग्रहण करने जा रहा है। उसके आध्यात्मिक विकास के प्रति मंगल भावना व्यक्त की। मुनिश्री ने पर्युषण यात्रा पर जा रही उपासक श्रेणी के प्रति भी मंगल भावना व्यक्त की। इस अवसर पर मुनि कुणाल कुमार जी ने सुमधुर गीत का संगान किया। दीक्षार्थी अर्हम् सिंघी ने वैराग्य प्राप्ति के कारणों का जिक्र करते हुए दीक्षा के उपलक्ष में कोई न कोई त्याग, संकल्प ग्रहण करने का आह्वान करते हुए सबसे खमतखामणा किया।

इस अवसर पर तेरापंथ कन्या मंडल के मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्वागत भाषण जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा (कोलकत्ता - पूर्वांचल) ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सिंघी ने दिया। अभिनंदन पत्र का वाचन मुख्य न्यासी बाबूलाल जैन ने किया।

विकास परिषद् के सदस्य बनेचंद मालू, महासभा के पूर्व अध्यक्ष सुरेश गोयल, कोलकत्ता सभा के अध्यक्ष अजय भंसाली, अणुव्रत समिति कोलकाता के अध्यक्ष नवीन दुगड़, वरिष्ठ उपासक महावीर प्रताप दुगड़, तेरापंथ युवक परिषद् पूर्वांचल के अध्यक्ष राजीव बोथरा, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा बबिता तातेड़, दीक्षार्थी के पिता अजय सिंघी, दीक्षार्थी के नानी सरला छाजेड़ ने मंगल भावना में अपना भाव व्यक्त किये। इस अवसर पर तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद्, तेरापंथ किशोर मंडल, तेरापंथ महिला मंडल व सिंघी परिवार की बहनों ने समूह गीतों का संगान कर दीक्षार्थी के प्रति मंगल भावना व्यक्त की। आभार ज्ञापन सभा के मंत्री पंकज डोसी ने व संचालन मुनि परमानंद जी ने किया।

दीक्षार्थी अर्हम् सिंघी का सभा द्वारा सम्मान किया गया। समारोह से पूर्व दीक्षार्थी अर्हम् सिंघी की तुलसी वाटिका लेक टाउन से भिक्षु विहार तक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट 2025 का आयोजन

गुवाहाटी।

मुनि डॉ ज्ञानेन्द्र कुमार जी एवं मुनि रमेश कुमार जी के सान्निध्य एवं अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के तत्वावधान में अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट 2025 जिसका मुख्य विषय 'संविधान की धार, मर्यादाओं का हो आधार' के असम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन अणुव्रत समिति गुवाहाटी द्वारा तेरापंथ धर्मस्थल में किया गया।

इस अवसर पर मुनि डॉ ज्ञानेन्द्र कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि सभी जिम्मेदार नागरिक बन कर समाज की सेवा करें तथा अपने आप को गौरवान्वित करें। अणुव्रत आंदोलन सभी के लिए है। अपने जीवन को अणुव्रत मय बनाए। मुनि रमेश कुमार जी ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार भी होना चाहिए। हर स्कूल में जीवन विज्ञान को प्रार्थना सभा में लागू करना चाहिए। निबंध लेखन, कविता लेखन, चित्रकला, गायन और भाषण प्रतियोगिताओं में कक्षा 5 से 12 तक के देशभर के करीब 2000 से अधिक स्कूलों के लगभग डेढ़ लाख बच्चे भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता चार चरणों में स्कूल, जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जा रही है।

अणुव्रत समिति, गुवाहाटी द्वारा इस प्रतियोगिता का असम राज्य स्तरीय आयोजन स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में आयोजित किया गया। इसमें गुवाहाटी के साथ बरपेटा रोड, खारुपेटिया एवं नौगांव के जिला स्तरीय प्रतियोगिता के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत अणुव्रत गीत के संगान से हुई। अणुव्रत आचार संहिता का वाचन अणुविभा के असम-त्रिपुरा प्रभारी छत्तरसिंह चौरड़िया ने किया। अध्यक्ष संजय चौरड़िया ने सभी का स्वागत किया। इस प्रतियोगिता में चित्रकला में मानस प्रतिम डेका व तनुश्री मिश्रा (साउथ पॉइंट स्कूल, गुवाहाटी), भाषण में एलिना चक्रबर्ती (साउथ पॉइंट स्कूल, गुवाहाटी) व रिमी सइकिया (मॉर्निंग स्टार हाई स्कूल, खारूपेटिया), निबंध में जागृति घोष (के वि 210 कोबरा सीआरपीएफ, दलगांव) व निशांत सिंह (अणुव्रत समिति, नोगांव), कविता में नंदिता कौर (संदीपनी विद्या विहार, नोगांव) व परोमिता चक्रबर्ती (मॉर्निंग स्टार हाई स्कूल, खारूपेटिया), गायन एकल में आकांगश्या साहा (के वि 210 कोबरा, दलगांव) व नयसा शर्मा (साउथ पॉइंट स्कूल, गुवाहाटी), गायन समूह में मां शारदा विद्या मंदिर (खारूपेटिया) व साउथ पॉइंट स्कूल, गुवाहाटी विजयी रहे। इस अवसर पर निर्णायक रमेश चांडक, पुष्पा सोनी, विश्वंभर शर्मा, कांता शर्मा, मीनाक्षी बुच्चा, सुनीता गुजारनी, गरिमा बोरड़, मीना पगारिया का अभिनंदन अणुव्रत पट्ट एवं मोमेंटो से किया गया। संचालन सह मंत्री डॉ सारिका दुगड़ एवं संयोजिका स्मिता सुराणा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मंत्री रंजना बरड़िया ने किया। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष बाबूलाल सुराणा, अणुविभा के कार्यकारिणी सदस्य बजरंग बैद एवं सुनील कुमार सेठिया, एसीसी के नॉर्थ ईस्ट व नेपाल प्रभारी रितेश खटेड़, कार्यक्रम प्रभारी राखी बैंगानी उपस्थित थे।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट का आयोजन

हैदराबाद।

अणुव्रत समिति हैदराबाद के तत्वावधान में तेरापंथ भवन, डीवी कॉलोनी में राज्य स्तरीय अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट 2025 का भव्य आयोजन साध्वी डॉ. गवेषणाश्री जी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। आयोजन का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ, बच्चों ने एक स्वर में अणुव्रत गीत 'संयम मय जीवन हो' प्रस्तुत किया।

समारोह का स्वागत अणुव्रत समिति अध्यक्ष राजेन्द्र बोथरा ने किया। उन्होंने कहा कि अणुव्रत बिना किसी भेदभाव के सभी धर्मों में समान विश्वास रखता है। सिकंदराबाद सभा अध्यक्ष सुशील संचेती, महिला मंडल अध्यक्ष नमिता सिंधी, तेयुप अध्यक्ष राहुल गोलछा और तेलंगाना राज्य प्रभारी आलोक डागा की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में टैगोर स्कूल, वेस्ले स्कूल, महबूब स्कूल, एजिया स्कूल सहित विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने निबंध लेखन, स्पीच, चित्रांकन व गीत गायन प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

साध्वी डॉ. गवेषणाश्री जी ने अपने उद्बोधन में बच्चों से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। साथ ही सभी बच्चों से नशामुक्ति का संकल्प भी लिया गया। साध्वी मेरुप्रभाजी ने संस्कार विषयक कविता प्रस्तुत की।

निर्णायक मंडल प्रेम पारख, अनीता गिरिया, संतोष पींचा व प्रेम सुराणा द्वारा प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। चयनित बच्चों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में योगाभ्यास एवं महाप्राण ध्वनि का भी अभ्यास कराया गया। किशोर मंडल के जय पिंचा ने रोचक गेम्स का आयोजन कर माहौल को और उत्साहवर्धक बनाया।

कार्यक्रम का संचालन अणुव्रत समिति की मंत्री रीता सुराणा ने किया। आभार ज्ञापन संगठन मंत्री निशा पींचा द्वारा किया गया।

त्रिदिवसीय पाप प्रक्षालन कार्यशाला का समायोजन

संगरूर।

साध्वी प्रांजलप्रभा जी के सान्निध्य में त्रिदिवसीय 'पाप प्रक्षालन कार्यशाला का समायोजन तेरापंथ महिला मंडल, संगरूर द्वारा किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ प्रेरणा गीत के साथ किया गया। साध्वी प्रांजलप्रभा जी ने अपने उद्बोधन में द्रव्य शुद्धि की आवश्यकता को बताते हुए भाव शुद्धि के महत्व पर प्रकाश डाला।

साध्वी श्री ने कहा कि पाप एक प्रकार का भीतरी मैल है। यह मैल आत्मा को मलिन करता है, उसे भवसागर के चक्रव्यूह में फंसाते हुए अधोगति में ले जाता है। पाप एक ऐसा असुर है जिसका साम्राज्य जीवन को अस्त व्यस्त, समस्याग्रस्त, असमाधिस्त और रोगग्रस्त करता है। पाप प्रक्षालन की प्रक्रिया को उजागर करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि- सर्वप्रथम हम पाप के मुख्य कारण- अविद्या, अज्ञानता और कषायता को समझें। फिर उसके निदान के उपाय प्रतिक्रमण, पश्चाताप, आत्मालोचना और प्रायश्चित करके आत्मशुद्धि के मार्ग पर आगे बढ़े। साध्वी गौतमप्रभा जी ने अपनी सुमधुर आवाज में 'कर्मों की महिमा' गीत की प्रस्तुति दी।

मंडल मंत्री प्रिया जैन ने पधारे हुए संभागी जनों का स्वागत करते हुए 'पाप प्रक्षालन' पर अपने भाव प्रस्तुत किये। डॉ रामकरण जैन ने सुंदर भजन की प्रस्तुति दी। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष सुशील जैन ने साध्वी श्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सबका आभार ज्ञापन किया है।

इस त्रिदिवसीय कार्यशाला में संगरूर के स्थानीय श्रावक समाज ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। महिला मंडल ने मिच्छामी दुक्कडम गीत का सामूहिक संगान किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ टाइम्स
22 सितम्बर - 28 सितम्बर, 2025

आचार्य श्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष पर विशेष

सत्य के पुजारी थे आचार्य भिक्षु

● साध्वी सोमयशा, डॉ. साध्वी सरलयशा ●

सत्य की आन, बान पर कुर्बान होने वाले मसीहा आचार्य भिक्षु, 'सत्यं शिवं सुन्दरम्' के पर्याय थे। वीतराग वाणी पर सर्वात्मना समर्पण, जिनके पौर पौर से उद्घाषित हुआ। अतीत के आइने में अंकित होकर सदियों-सदियों को अध्यात्म के आलोक से आलोकित किया। मक्खन सदैव पानी पर तैरता है, कभी डूबता नहीं। वैसे ही आचार्य भिक्षु की सत्यक्रांति कभी ओझल नहीं हुई अपितु सरकते समय के साथ वह अधिक प्रभावी बनी। तेरापंथ धर्मसंघ उसी क्रांति की निष्पत्ति है।

दृढ़ प्रतिज्ञा

भिक्षु मन-वचन-कर्म से सत्यपथ पर चलने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ थे। उनका फौलादी निर्णय इतिहास पुरुष भीष्म की याद दिलाता है। अपनी प्रतिज्ञा के बारे में भीष्म ने कहा था - 'मैं त्रिलोकी का राज्य, ब्रह्मा का पद और इन दोनों से अधिक मोक्ष का भी परित्याग कर सकता हूँ, पर सत्य का त्याग नहीं कर सकता।' हिमालय की भांति अपनी प्रतिज्ञा पर अटल रहने वाले भीष्म पितामह कौरव-पांडव दोनों के लिए पूज्य बनें। इसी तरह आचार्य भिक्षु विरोधी और अनुयायी दोनों के लिए आदरास्पद बनें।

अटल आत्मबल

संघर्ष को सफलता का प्रतीक मानकर बढ़ते रहे। मंतव्य के मुताबिक उनके 'जीवन-पट पर ताना अध्यात्म का था, तो बाना संघर्ष का।' उनका संघर्ष धार्मिक जगत में व्याप्त अनाचार, कुरूढ़ियों और मिथ्या धारणाओं के बाबत था। संघर्षों में कभी हार नहीं मानी। उनके फौलादी साहस के बाबत कवि की निम्न पंक्तियाँ सटीक ठहरती हैं -

'परवाह नहीं अगर जमाना खिलाफ है, रास्ता वही चलूंगा जो नेक और साफ है।'

अटल आत्मबल के सन्मुख संघर्षों के तूफान निष्प्रभावी बनते गए। उनके साहस, धैर्य, पुरुषार्थ और पॉजिटिव थिंकिंग की बदौलत विरोधी अनुरागी बनते गए। इक्कीसवीं सदी में अध्यात्म के नवोन्मेष उकेरने वाला तेरापंथ धर्म संघ आचार्य भिक्षु के दृढ़ संकल्प और अदम्य साहस का पुष्ट प्रमाण है।

सत्य की शक्ति

असीम शक्ति के पुञ्ज थे आचार्य भिक्षु। माना कि दिव्य शक्तियों के सहारे कोई भी व्यक्ति आनंदित रह सकता है। जैसा कि इतिहास बताता है, सुदामा के साथ कृष्ण थे, शबरी के साथ राम थे, गौतम के साथ महावीर थे। इसी वजह से वे हर स्थिति में आनंदित थे। प्रश्न है, भिक्षु के साथ कौनसी शक्ति थी? इसका सही-सही उत्तर अणुव्रत अनुशास्ता युगप्रधान आचार्यश्री तुलसी की पंक्तियों में मिलता है -

'सत्य सिराणे सदा राखतो त्यागी सारी सुविधावां, जिनवाणी पर जीवन जामा झोंक्या बलिहारी जावा। बणी साधना सिद्धि स्वयं ही, चीर-चल्यों सब बाधावा, आत्म-समर रै अमर वीर री म्हें गौरव गाथा गावां'

जाहिर है, सिर्फ और सिर्फ सत्य की असीम शक्ति के सहारे उन्होंने अपना लक्ष्य हासिल किया। देश की डिफेंस प्रणाली में मुख्य स्थान 'तेजस', 'राफेल', 'सुखोई-30' और 'सुदर्शन चक्र' का है। इनसे कई गुना शक्तिशाली और पारदर्शी हथियार आचार्य भिक्षु का एकमात्र सत्य था, जिसके सहारे उन्होंने कदम कदम पर विजय हासिल की।

साधना की सुवास

सत्य संधित्सु आचार्य भिक्षु एक पुण्यशाली महापुरुष थे। उनके नाम का प्रभाव, दर्शन की सामयिकता और साधना की सुवास आज भी प्राणवान है। काल का अन्तराल उनके अतिशय को आच्छादित या लुप्त नहीं कर पाया। 'स्वर्ण' और 'कस्तूरी' की नाई उनका वैशिष्ट्य कायम है। धातु पर वातावरण का असर होता है। इसे जंग लगता है, विद्रूप होने लगता है, पर सोना इसका अपवाद है। सोना धातु होने पर भी न उसे जंग लगता है, न उसकी चमक नष्ट होती है। सुगंधित पदार्थ पर भी समय और वातावरण का असर देखा जाता है। धीरे-धीरे सुगंध घटती है। पर इसमें भी 'कस्तूरी' अपवाद है। वर्षों गुजर जाने पर भी उसकी सुगंध न लुप्त होती है, न न्यून होती है। आचार्य भिक्षु का प्रभाव भी कालातीत से न कम हुआ और न ही शून्य हुआ। इस अप्रतिम प्रभाव का अहम सेतु है वीतराग वचनों पर मर मिटने का उनका जज्बा।

अस्तु, आचार्य भिक्षु ने वीतराग वाणी के मर्म को आत्मसात किया। जीवन में आने वाले संघर्षों से कभी विचलित नहीं हुए। भिक्षु का इस्पाती मनोबल सत्य की डगर पर डटा रहा। सत्य के पुजारी का तीनसौवां जन्मशताब्दी वर्ष 'भिक्षु चेतना वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। यह भिक्षु के सूक्ष्म सिद्धांतों को समझने का सुनहरा मौका है। बाबा ने आगमिक आधार पर तेरापंथ की नींव रखी, महल की ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। श्रद्धालुजन उन ऊँचाइयों को छूने की अर्हता हासिल कर भिक्षु के वफादार भक्त बनें। यही समय की गुहार है।

बोलती किताब

धर्म मुझे क्या देगा ?

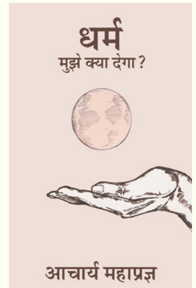

परिवर्तन का सबसे बड़ा हेतु है प्राणधारा । हमारे शरीर में केवल हड्डियां, मांसपेशियां, मांस और रक्त नहीं है । इस शरीर में प्राणधारा का एक अजस्र प्रवाह है, जो निरन्तर गतिशील और सक्रिय रहता है । वह प्राणधारा का प्रवाह बहुत सारा परिवर्तन करता रहता है । आज के विज्ञान ने, शरीर-शास्त्र ने बहुत सारे तत्त्वों को पकड़ा है, किन्तु प्राणधारा के प्रवाह को अभी पूरा नहीं पकड़ पाया है । जो हमारी जैविक विद्युत है, आन्तरिक ऊर्जा है, उसको पूरा पकड़ा नहीं गया है । इसके द्वारा कितना परिवर्तन होता रहता है, यह आज भी पूर्णतः ज्ञात नहीं है । सुख-दुःख के संबंध में हमारी प्राणधारा, जैविक ऊर्जा अथवा जैविक विद्युत का बहुत बड़ा हाथ रहता है ।

एकाग्रता की बात देखने की शक्ति के द्वारा प्राप्त होती है । जिसने देखना शुरू कर दिया, वह एकाग्र हो जायेगा । जब तक देखना शुरू न करे तब तक मन की चंचलता बाधित कर सकती है । आप विचार को देखना शुरू कर दें, मन रुक जायेगा । देखते देखते मन एकदम शान्त हो । जायेगा । देखना शुरू न करें, विचार का सिलसिला चालू रहेगा । जो व्यक्ति देखना जानता है उसे विचार कभी नहीं सताते । जो देखना नहीं जानना, उसी में विक्षिप्तता आती है, चंचलता आती है । विक्षिप्तता की मात्रा थोड़ी बढ़ती है तो उसका परिणाम होता है तनाव । चंचलता से ही तनाव आता है । तनाव का मुख्य हेतु बनता है चंचलता का वेग । चंचलता का वेग बढा और डिप्रेशन हो गया, तनाव पैदा हो गया ।

धर्म के द्वारा एक विशिष्ट प्रकार की शक्ति का या चेतना का जागरण होता है । वह शक्ति या चेतना है—भेद-विज्ञान की चेतना । जहां शरीर की अवस्थाओं में और ज्ञान की अवस्थाओं में अनुबंध होता है वहां एक प्रकार के मोह की चेतना का निर्माण होता है । शरीर की इस अवस्था का बोध होना कि मैं शरीर हूं, शरीर मैं हूं । जहां यह मोह चेतना है, वहां सहन करने की शक्ति का विकास कभी नहीं होता । यह शरीर के प्रति मोह है । विचारों के प्रति, ज्ञान के प्रति, बुद्धि के प्रति ममत्व बना लिया कि यह विचार मेरा है । मैंने जो अपना विचार बना लिया, उस विचार के विरोध में दूसरा कुछ भी कहता है तो मुझे कष्ट होता है, दिमाग ठनकता है ।

ध्यान करने वाले व्यक्ति को बहुत सूक्ष्मता से निर्णय करना है कि यथार्थ क्या है ? अधिकांश ध्यान करने वालों की एक शिकायत रहती है कि जब जब ध्यान करने बैठते हैं बहुत विचार आते हैं । इस शिकायत से पूर्व उन्हें निर्णय करना है कि क्या सचमुच विचार आता है या और कुछ आता है ? शायद विचार कम आते हैं, स्मृतियां अधिक आती हैं । हम हर विषय को विचार मान लेते हैं । कभी घर की स्मृति, कभी किसी घटना की स्मृति–स्मृतियां उभरती रहती हैं । स्मृति का अर्थ विचार नहीं है । बहुत अंतर है विचार और स्मृति में । ध्यान में कल्पनाएं अधिक आती हैं । स्मृति भी विचार नहीं है और कल्पना भी विचार नहीं है । स्मृति का संबंध है अतीत के साथ और कल्पना का संबंध है भविष्य के साथ । अतीत में जो देखा, सुना, किया, वह उभरता रहता है । यह स्मृति है । क्या करना है ? योजना बनाता है, भविष्य के सपने लेता है, ध्यान करने बैठा और योजनाएं बननी शुरू हो गई । यह कल्पना है, विचार नहीं है ।

पुस्तक प्राप्ति के लिए संपर्क करें :
आदर्श साहित्य विभाग जैन विश्व भारती
+91 87420 04849 / 04949 https://books.jvbharati.org books@jvbharati.org

- जहां तक संभव हो सके, परावलंबी बनने से बचें।
- जो व्यक्ति भाग्य भरोसे बैठ जाता है, पुरुषार्थ नहीं करता, मेरी दृष्टि में वह दुनिया का अभागा व्यक्ति है।

– आचार्य श्री महाश्रमण

भिक्षु भक्ति का हुआ भव्य आयोजन

वाशी।

आचार्य भिक्षु की जन्म त्रिशताब्दी के अवसर पर श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के निर्देशन में और श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के तत्वाधान में भिक्षु भक्ति कार्यक्रम अणुव्रत सभागार, वाशी, नवी मुंबई में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया गया। मुमुक्षु बहनों द्वारा प्रेक्षाध्यान एवं ऊं भिक्षु जाप से मंत्रोच्चार करवाया गया। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य तेरापंथी सभा वाशी के अध्यक्ष पंकज चंडालिया, भिक्षु महाश्रमण फाउंडेशन वाशी के अध्यक्ष कमलेश बोहरा, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष ललित चंडालिया और तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष स्वीटी खाटेंड़ ने प्रस्तुत किए। शुभकामना स्वरूप श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा मुंबई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबूलाल बाफना तथा अणुव्रत ट्रस्ट के ट्रस्टी लादूलाल श्रीमाल ने अपने शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

मुमुक्षु श्रेणी से मुमुक्षु भावना, मुमुक्षु शेफाली, मुमुक्षु प्रेक्षा और मुमुक्षु अर्चना पर्युषण महापर्व के पावन अवसर पर धर्म आराधना के लिए वाशी पहुंचे। तेरापंथ समाज वाशी ने उनका स्वागत किया।

भिक्षु भक्ति कार्यक्रम में सुधा कोठारी, अपेक्षा सिंघवी और श्रेया चपलोत ने गीतिका का सामूहिक संगान कर भक्ति का वातावरण बनाया। कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यालय का शुभारंभ जैन संस्कार विधि से किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में तेरापंथ सभा, युवक परिषद, महिला मंडल, भिक्षु महाश्रमण फाउंडेशन, अणुव्रत ट्रस्ट, किशोर मंडल, कन्या मंडल, ज्ञानशाला परिवार और तेरापंथ वाशी श्रावक समाज वाशी, नवी मुंबई के सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन तेरापंथ महिला मंडल उपाध्यक्ष संगीता बाफना ने किया।

यश-कीर्ति की भावना के बिना निष्काम भाव से हो कार्य : आचार्यश्री महाश्रमण

नव दीक्षित साधु-साध्वियों को आचार्य प्रवर ने प्रदान करवाया छेदोपस्थापनीय चारित्र

कोबा, गांधीनगर।
10 सितम्बर, 2025

प्रेक्षा विश्व भारती, कोबा में वीर भिक्षु समवसरण में संयम सुमेरु आचार्य श्री महाश्रमण जी द्वारा सात दिन पूर्व दीक्षित हुए साधु-साध्वियों की बड़ी दीक्षा प्रदान की गई। परम पूज्य गुरुदेव ने नव दीक्षित साधु-साध्वियों को आर्षवाणी के साथ पाँच महाव्रतों का व्याख्यापूर्वक स्वीकरण कराते हुए छेदोपस्थापनीय चारित्र प्रदान किया। नवदीक्षित समणियों को भी अपनी चर्या में विशेष जागरूकता रखने हेतु निर्देशित किया।

बड़ी दीक्षा के कार्यक्रम की सम्पन्नता के पश्चात् 'आयारो' आगम के माध्यम से अमृत देशना प्रदान करते हुए परम पूज्य गुरुदेव ने फरमाया कि यश-कीर्ति के लिए कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए। कार्य निष्काम भाव से करना चाहिए। निर्जरा के दो भेद हैं - सकाम और अकाम। जो तप मोक्ष कामना से किया जाता है, वह सकाम निर्जरा होती है। तप इहलोक, परलोक, कीर्ति, वर्ण, यश आदि के लिए नहीं करना चाहिए। तप का लक्ष्य केवल निर्जरा होना चाहिए। जहाँ नाम-यश की भावना जुड़ जाती है, वहाँ मलिनता आ सकती है।

नवदीक्षितों को छेदोपस्थानीय चरित्र प्रदान करने के संदर्भ में पूज्य गुरुदेव ने कहा कि सामायिक चारित्र में साधु-साध्वी थोड़ी अन्य सामाचारी में थे, अब ये समान सामाचारी में आ गए हैं। नवदीक्षित साधु-साध्वियों और समणियों को प्रेरणा प्रदान करते हुए पूज्य गुरुदेव ने फरमाया कि साधना-संयम का जीवन बहुत बड़ी चीज है। इसके सामने बड़ी से बड़ी भौतिक वस्तु भी न के बराबर है, तुच्छ है। हमारा साधुत्व और समणित्व के प्रति आस्था, समर्पण व निष्ठा बनी रहनी चाहिए। यह संयम जीवन अमूल्य है। पाँच महाव्रत एक हीरे के समान हैं, इनकी सुरक्षा के प्रति जागरूकता बनी रहनी चाहिए। शरीर में कोई कष्ट हो जाए तो उसे समता से सहन करें, तो वह महान फल देने वाला बन जाता है। सभी दीक्षार्थियों ने गृहवास को छोड़कर साधुत्व और समणित्व को स्वीकार किया है, यह बहुत बड़ा कार्य है। ज्ञान, दर्शन और चारित्र, विनय और गुरु-इंगित की आराधना के प्रति तत्पर रहना चाहिए।

आचार्य प्रवर की पावन सन्निधि में भारत सरकार के कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल पहुँचे। उनके अतिरिक्त अखिल भारतीय संत समिति, निष्कलंकी नारायण तीर्थ धाम, प्रेरणा तीर्थ के जगद्गुरु सत्पंथाचार्य ज्ञानेश्वर देवाचार्य महाराज भी आचार्यवर के सान्निध्य में आए और अपनी विचाराभिव्यक्ति दी।

आचार्यश्री के सान्निध्य में अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का मंचीय कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में अणुविभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप दूगड़ और राजेश सुराणा ने अपने विचार रखे।

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि अणुव्रत विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। बच्चों में ज्ञान के साथ-साथ संस्कारों और अनुशासन का विकास होता है। जीवन में प्रामाणिकता और नैतिकता बनी रहती है। कर्त्तव्यनिष्ठा और अनुशासन दोनों आवश्यक हैं। आज मेघवाल जी आए हैं, जो न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका से जुड़े हुए हैं। जैन विश्व भारती और तेरापंथ से भी जुड़े हुए हैं। राजनीति के साथ भी अणुव्रत और अध्यात्म जुड़े रहें, यह आवश्यक है।

पदार्थ जगत से परे, आत्मजगत में जीने का हो प्रयास : आचार्यश्री महाश्रमण

कोबा, गांधीनगर।
11 सितम्बर, 2025

जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्म संघ के एकादशमाधिशास्ता, महातपस्वी, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने 'आयारो' आगम के माध्यम से पावन संबोध प्रदान करते हुए फरमाया कि आत्मा और शरीर दो चीजें हैं। आत्मा आध्यात्मिकता से जुड़ा हुआ तत्व है और शरीर पौद्गलिक जगत, भौतिकता से जुड़ा हुआ होता है। व

व्यक्ति जितना पदार्थों में रचा-पचा रहता है, तृष्णा, लालसा, लोभ, आसक्ति में निमग्न रहता है, आत्मा से दूर रहता है, स्वभाव से दूर रहता है। जितना वह आत्मा के आस-पास रहता है, उसकी श्रद्धा, आस्था और विचार आत्मा से जुड़े रहते हैं।

संस्कृत में कहा गया है कि जैसे-जैसे हमारी बुद्धि में अध्यात्म तत्त्व प्रवेश करता है, वैसे-वैसे हमारी विषय जगत से दूरी हो जाती है। शब्द, रूप, गंध, रस, स्पर्श में रूचि नहीं रहती है। ज्यों-ज्यों हम शब्द, रूप, रस, गंध, स्पर्श से विकर्षण करते हैं, त्यों-त्यों हमारी आत्मा की तरफ गति होती जाती है। इस प्रकार दो भाग हो जाते हैं - आध्यात्मिकता और भौतिकता। भौतिकता में जितनी आसक्ति है, वह व्यक्ति को दुखी बनाने वाली होती है। जितना व्यक्ति बाह्य चीजों में अनासक्त रहता है, वह स्वभाव में आ जाता है और उसे भीतर का सुख और शांति मिल सकती है। आत्मा निर्मल बनती है, वह सुख है। पदार्थों का सुख क्षण मात्र का होता है।

हमारा चिंतन यह रहे कि पदार्थों का अपेक्षानुसार उपयोग करें, लेकिन वह मुख्य नहीं है; मुख्य चीज आत्मसाधना है। मुख्य को गौण कर दें और गौण को मुख्य कर दें तो विपर्यास हो सकता है। दुनिया में रहते हुए भी हमें आत्मा में रहना चाहिए। 'रहें भीतर, जीएं बाहर।' हमारा दृष्टिकोण आत्मपरक होना चाहिए।

आगम में कहा गया है कि एक आत्मा की ओर ध्यान रहे, अभिमुखता रहे। चलते समय, बोलते समय आदि में हमेशा ध्यान रहे कि मैं साधु हूँ, मेरी साधुता रहे, संयम रहे। संयम का ध्यान रखना आत्मा की तरफ अभिमुखता हो जाती है। देव, गुरु और धर्म के प्रति निष्ठा, श्रद्धा और सम्मान का भाव रहे। जितना हम आत्मा के आस-पास रहेंगे, कल्याण की दिशा में गति करेंगे। तपस्या, ध्यान, स्वाध्याय, प्रवचन आदि आत्मा के आस-पास रहने की क्रियाएं हैं, उपक्रम हैं।

इस प्रकार एक आत्मा की तरफ मुख करके हम रहें, संयम और मोक्ष की ओर हमारा रूझान हो तो हम संवर और निर्जरा की साधना कर सकते हैं और मोक्ष की ओर गतिमान हो सकेंगे।

परम पूज्य गुरुदेव की सन्निधि में श्री श्वेताम्बर तेरापंथ मानव हितकारी संघ, विद्याभूमि राणावास से विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावकों और पदाधिकारियों का दल उपस्थित हुआ। संस्था के अध्यक्ष मोहन गादिया ने संस्था की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने सामूहिक गीत की प्रस्तुति दी। पूज्य गुरुदेव ने फरमाया कि परम पूज्य गुरुदेव श्री तुलसी ने राणावास में चातुर्मास किया था। राणावास शिक्षा भूमि है और तेरापंथ नाम से शिक्षा संस्थान है। राणावास में विद्या और धार्मिक संस्कारों का अच्छा विकास होता रहे।

कार्यक्रम का संचालन मुनि दिनेशकुमार जी ने किया।

अखिल भारतीय
तेरापंथ टाइम्स
22 सितम्बर - 28 सितम्बर, 2025

जीवन में विवेक युक्त पुरुषार्थ का हो प्रयास : आचार्यश्री महाश्रमण

कोबा, गांधीनगर।
08 सितम्बर, 2025

पुरुषार्थ के प्रबल प्रेरक, महातपस्वी, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने पावन संबोध प्रदान करते हुए फरमाया कि मोक्ष में स्थित आत्माएं अनंत सुख संपन्न होती हैं। जो आत्माएं अनंत सुख संपन्न बनी हैं, उनकी आत्मा में जरूर ऐसे अध्यवसाय, ऐसे परिणाम आए होंगे, तभी उन्होंने उस परम अवस्था को प्राप्त किया है। प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव मरूदेवा माता का जीव वनस्पतिकाय में रहा और एक ही मनुष्य का जीवन लिया, और उसी में केवल ज्ञान को प्राप्त कर लिया। यह हो सकता है कि उनके कर्म बहुत हल्के होंगे कि एक मनुष्य जीवन लिया और मोक्ष चली गईं।

व्यक्ति को कुछ पाने के लिए पुरुषार्थ भी करना चाहिए। जो पुरुषार्थ हम करते हैं, उसका कभी न कभी, किसी रूप में कोई न कोई फल जरूर मिलता है। फल जल्दी भी मिल सकता है और देरी से भी प्राप्त हो सकता है, फल अवश्य ही प्राप्त होता है। हमें अपने जीवन में सम्यक् पुरुषार्थ करना चाहिए। कभी-कभी स्थूल रूप में हमें लगता है कि पुरुषार्थ किया और उसका फल नहीं मिला। ऐसी स्थिति में हमें यह सोचना चाहिए कि मेरे हाथ में पुरुषार्थ करना था और वह मैंने कर लिया। तत्काल फल प्राप्त कर ही लेना मेरे हाथ की बात नहीं है। प्रयत्न करने पर भी यदि सफलता नहीं मिले तो इसमें कोई दोष वाली बात नहीं है। स्थूल रूप से चाहे हमें लगे कि पुरुषार्थ किया और फल नहीं मिला, परंतु किसी रूप में फल जरूर मिलेगा। इसलिए सत्पुरुषार्थ करते रहना चाहिए।

आलस्य मनुष्य के शरीर में रहता है तो वह महान शत्रु की भूमिका भी अदा कर देता है। पुरुषार्थ गलत भी हो सकता है और सम्यक् भी हो सकता है। गलत इरादे से भी हो सकता है और सही इरादे से भी हो सकता है। गलत तरीके से भी हो सकता है और सही तरीके से भी हो सकता है। इसलिए हमें अपने जीवन में विवेक युक्त पुरुषार्थ करने का प्रयास करना चाहिए। सही पुरुषार्थ का फल हमें बहुत जल्दी भी प्राप्त हो सकता है। कार्य दृष्टि, विजन के साथ करना चाहिए। अच्छी योजना से करें तो उसका फल जल्दी भी मिल सकेगा।

लीडर का भी चिंतन ठीक हो, दृष्टि ठीक हो और दूसरों को साथ ले जाने की क्षमता हो तो वे अपने समुदाय को आगे बढ़ाने में यथासंभव सफलता प्राप्त करते हैं। सभी लोगों के पास विजन हो, दृष्टि हो—यह आवश्यक नहीं है। परंतु जिनके पास हो, वे सबको साथ लेकर चलें तो पुरुषार्थ का सही फल प्राप्त हो सकता है। विजन के साथ हिम्मत भी होनी चाहिए। संस्थाओं में, समाज में विभिन्न क्षमताओं के लोग हो सकते हैं। जब वे मिल-जुलकर कार्य करते हैं तो अवश्य प्राप्ति कर सकते हैं, निष्पत्ति आ सकती है। क्षमतानुसार कार्य का विभाजन होना चाहिए। योजक, संयोजक, नेतृत्व करने वाले में यह क्षमता होनी चाहिए कि किससे किस प्रकार का, योग्यतानुसार उपयोग किया जा सकता है, नियोजित किया जा सकता है। इसलिए लीडर निडर हो, विजन वाला हो, दूसरों को जोड़ने वाला होना चाहिए तो संगठन अच्छा रह सकता है।

प्रवचन के पश्चात् कार्यक्रम में अणुविभा द्वारा सम्मान समारोह का भी आयोजन हुआ।

सुख और दुःख होता है स्वकृत, भोग में नहीं बनता कोई भागीदार : आचार्यश्री महाश्रमण

कोबा, गांधीनगर।
09 सितम्बर, 2025

जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें और वर्तमान अधिशास्ता, महातपस्वी, ज्योतिपुंज, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने आयारो आगम के माध्यम से उपस्थित जन समूह को अमृत देशना प्रदान करते हुए फरमाया कि सुख प्रत्येक होता है, दुःख भी प्रत्येक होता है, यानी अपना-अपना होता है। जिसने जो कर्म किया है, उस कर्म का फल उसी को भोगना होता है। पाप कर्म किया है तो पाप के रूप में फल भोगना होगा और संवर-निर्जरा की है तो वह आत्म-स्वभाव के निकट अथवा आत्म-स्वभाव में ले जाने वाली है, कर्म का अभाव रूप हो जाता है।

व्यक्ति यह चिंतन करे कि मेरे कर्म मुझे ही भोगने हैं, दूसरे के कर्म दूसरे को भोगने हैं, दूसरे उसमें भागीदार नहीं बनेंगे। चौरासी लाख जीव योनियों में यह दुर्लभ मानव जीवन मिला है, तो इसमें प्रयत्नपूर्वक धर्म साधना करनी चाहिए। वर्तमान में भी हम देखते हैं कि परिवार में कोई बालक मानसिक रूप से अविकसित रह जाता है, बोल नहीं पाता है और न विशेष समझ पाता है। यहाँ बालक के अविकसित रहने के पीछे यह संभावना लगती है कि पिछले जन्मों में उसने ऐसे पाप कर्म किए हैं, ज्ञानावरणीय कर्म का बंध हुआ होगा। फलस्वरूप वह इतना असामान्य या अविकसित रह गया। उसी बालक का भाई बुद्धिमान हो सकता है क्योंकि उसके पूर्व जन्मों में ज्ञानावरणीय कर्म का क्षयोपशम किया होगा और पुण्य भी बंधा होगा। यह कर्मों का अपना परिणाम है।

कोई व्यक्ति छोटी उम्र में बीमार हो जाता है, उसका कारण यह हो सकता है कि उसने पूर्व में असातवेदनीय कर्म का बंध किया होगा। एक व्यक्ति छोटी उम्र में उच्च, प्रतिष्ठित पद पर पहुंच जाता है, हो सकता है कि उसने पूर्व में पुण्य कर्मों का बंध किया हो। किसी व्यक्ति को विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त नहीं होती, संभव है उसने पूर्व में ऐसे पाप किए होंगे। शरीर की दृष्टि से कोई सुंदर होता है तो कोई इतना सुंदर नहीं भी होता, यह सब पूर्व कर्मों का फल है।

इस प्रकार शास्त्र में कहा गया है कि सुख अपना-अपना होता है और दुःख भी अपना-अपना होता है। अतः हमें इस मानव जीवन में जितनी संवर-निर्जरा, धर्म की साधना कर सकें वह करनी चाहिए और पाप कर्मों के बंधन से बचने का प्रयास करना चाहिए।

मुख्य प्रवचन के पश्चात् आयोजित समारोह में अणुव्रत विश्व भारती द्वारा अणुव्रत गीत गायन सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिवर्ष अणुविभा द्वारा होने वाली इन प्रतियोगिताओं में इस वर्ष 25 राज्यों की 3175 स्कूलों के लगभग डेढ़ लाख विद्यार्थियों ने भाग लिया। गीत गायन, निबंध लेखन, चित्रकला, भाषण आदि प्रतियोगिताओं के कई चरण इस अंतर्गत हुए। फाइनल राउंड के तहत गुरूदेव के सान्निध्य में 18 राज्यों से 350 विद्यार्थी प्रस्तुति देने पहुंचे।

आचार्य भिक्षु : जीवन दर्शन

नामकरण

जोधपुर की घटना। बाजार की एक दुकान में तेरह भाई सामायिक, पौषध की आराधना कर रहे थे। दीवान फतहचंदजी सिंघी उधर से निकले। आश्चर्य के साथ उन श्रावकों को देखा और जिज्ञासा के स्वर में पूछा– 'आप स्थानक को छोड़ यहां कैसे?'

श्रावकगण ने कहा– 'हमारे गुरु आचार्य भिक्षु हैं। उन्होंने स्थानक (साधु के लिए निर्मित स्थान) में रहना छोड़ दिया है।'

'क्यों छोड़ दिया?' सिंघीजी ने पूछा।

इस प्रश्न के उत्तर में श्रावकगण ने सारी बात विस्तार से बताई।

सिंघीजी ने पूछा– 'वे कितने साधु हैं?' उत्तर मिला– 'तेरा।'

पास में खड़ा एक सेवक कवि तत्काल एक दोहा बनाकर बोला–

साध-साध रो गिलो करै, ते आप आप रो मंत।
सुणज्यो रे शहर रा लोकां! ए तेरापंथी तंत।।

आचार्य भिक्षु के पास यह संवाद पहुंचा। वे तत्काल आसन छोड़ वन्दना की मुद्रा में बैठे और बद्धाञ्जली होकर बोले– 'हे प्रभो! यह तेरापंथ। प्रभो! यह पंथ तुम्हारा है, मैं इसका पथिक हूं।'

इसका दूसरा अर्थ उन्होंने इस प्रकार किया, जहां पांच महाव्रतों, पांच समितियों और तीन गुप्तियों की आराधना की जाती है, वह तेरापंथ है। कवि ने नामकरण किया संख्या के आधार पर, आचार्य भिक्षु ने उसे स्वीकारा अपनी ममत्व-विसर्जन की साधना के स्तर पर।

भिक्षु की कहानी-जयाचार्य की जुबानी

अधिक धर्म किसे?

स्वामीजी ने दान के विषय में एक और दृष्टांत दिया। एक बूढ़ा आदमी भीख मांगता हुआ घूम रहा था। किसी ने अनुकंपा कर उसे सेर चने दिए। तब उस बूढ़े ने किसी से कहा– 'एक आदमी ने तो मुझे सेर चने दिए पर मेरे दांत नहीं है, इसलिए तुम इन्हें पीस के आटा बना दो।' तब दूसरी बहिन ने अनुकंपा कर चनों को पीस आटा बना दिया।

उसने आगे जा किसी से कहा– मुझे एक धर्मात्मा ने तो सेर चने दिए। दूसरी बहिन ने उन्हें पीस आटा बना दिया। तुम मुझे उस आटे की रोटियां बना दो। तब तीसरी बहिन ने उस सेर आटे में नमक और पानी मिला उसकी रोटियां बना दी। वह रोटी खाकर तृप्त हो गया।

कुछ देर बाद उसे प्यास लगी। तब वह आगे जाकर बोला– 'है रे कोई धर्मात्मा, जो मुझे पानी पिलाए।' तब चौथी बहिन ने अनुकंपा कर सजीव जल पिलाया।

एक व्यक्ति ने सेर चने दिए, दूसरे ने पीस के आटा बना दिया, तीसरे ने रोटियां बना दीं, चौथे ने उसे पानी पिलाया। इन चारों में अधिक धर्म किसे हुआ?

जानें तेरापंथ को पहचाने स्वयं को

बारह व्रतों का विश्लेषण

अहिंसा

अहिंसा का अर्थ है– किसी भी रूप में हिंसा न करना, अर्थात् सावद्य योगों (कायिक, वाचिक, मानसिक) से विरत रहना।

हिंसा के प्रकार

1. आरम्भजा हिंसा– जीवन की आवश्यकताओं जैसे खेती, रसोई आदि में अनिवार्य रूप से होने वाली हिंसा।
2. प्रतिरोधजा हिंसा– आत्मरक्षा के लिए की गई हिंसा।
3. संकल्पजा हिंसा– प्रतिशोध, क्रोध या द्वेष से की गई हिंसा, जिसे सबसे अधिक हेय माना गया है।

गृहस्थ जीवन में आरम्भजा व प्रतिरोधजा हिंसा से पूर्णतः बचना कठिन हो सकता है, परंतु संकल्पजा हिंसा त्याज्य है।

हिंसा के तीन और रूप

- कायिक हिंसा – शरीर से किया गया आघात।
- वाचिक हिंसा – कटु, रूखी वाणी से किया गया आघात।
- मानसिक हिंसा – मन द्वारा उत्पन्न क्रूर विचार, जो क्षणभर में ब्रह्मांड का चक्कर लगा लेता है। बंधन और मोक्ष, दोनों ही मन पर निर्भर हैं। इसीलिए मन को वश में करने वाला ही महान कहलाता है।

अहिंसा अणुव्रत के अतिचार

अहिंसा अणुव्रत के पांच अतिचार हैं– किसी भी प्राणी को बांधना, मारना-पीटना, अंग भंग करना, पशुओं पर ज्यादा भार लादना, अपने आश्रित नौकर चाकर आदि की आजीविका या खान-पान को छीनना या कम करना- ये सब श्रावक के लिए त्याज्य हैं। श्रावक के जीवन में क्रूरता को अवकाश ही नहीं मिलना चाहिए। वहां तो केवल करुणा, कोमलता, मैत्री और निर्मलता का विकास ही वांछनीय है।

क्या आप जानते हैं?

बोतलों आदि में आने वाला मिनरल वाटर अचित्त की दृष्टि से संदेहास्पद होने के कारण सचित्त की कोटि में माना जाता है। नींबू आदि की सिकंजी तथा आमरस आदि में सचित्त पानी या बर्फ डाली जाए, वह गल जाए, उसके बारह मिनट बाद उन्हें अचित्त माना जा सकता है।

साप्ताहिक प्रेरणा

इस सप्ताह आइस क्रीम खाने का त्याग करें।

संदर्भ पुस्तकें : आचार्य भिक्षु जीवन दर्शन, भिक्खु दृष्टांत, श्रावक संदेशिका

सम्पादकीय

रक्तदान : सेवा, समर्पण और राष्ट्रीय एकता का महाअभियान

कुछ ही दिन पहले का प्रसंग है। देर रात एक परिचित व्यक्ति के बच्चे की तबीयत जोधपुर में अचानक बिगड़ी और प्लेटलेट्स की कमी से डॉक्टर ने तत्काल लाइव डोनर बुलाने को कहा। घड़ी की सुई रात के 12:40 बजे का समय बता रही थी। ऐसे समय में सबसे पहले याद आई तेरापंथ युवक परिषद् के कार्यकर्ताओं की। स्मरण हुए वे साथी जो सदैव सेवा में तत्पर रहते हैं। स्थानीय तेयुप की ब्लड-डोनेशन टीम ने आधी रात में लगभग 8–10 संभावित डोनर्स से संपर्क साधा। डोनर्स ब्लड सेंटर पर लगभग 2 बजे पहुँचे और प्लेटलेट्स देने की लगभग 45 मिनट की प्रक्रिया के बाद आवश्यक मदद समय पर मिल सकी। रात भर उन्होंने लगातार चिकित्सकीय आवश्यकताओं और डोनर्स से संवाद बनाए रखा। ऐसा समर्पण व त्याग सचमुच प्रेरक और अनुकरणीय है।

यह अनुभव केवल एक घटना नहीं रहा; यह उस व्यापक राष्ट्रीय अभियान का छोटा-सा अंश है जो आज देश-व्यापी अभियान का स्वरूप ले चुका है। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा संचालित Mega Blood Donation Drive और हालिया 'Raktdan Amrit Mahotsav 2.0' जैसी मुहिमों ने यह साबित कर दिया है कि रक्तदान कोई संकुचित सामाजिक क्रिया नहीं, बल्कि मानवीय एकता और नागरिक-कर्तव्य का प्रतीक है। अभातेयुप अपनी MBDD पहल के तहत वर्षों से भारत को ब्लड-संग्रह में आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रहा है और इसी श्रेणी में इन पहलों ने पहले भी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं।

सरकारी और मीडिया कवरेज के अनुसार Raktdan Amrit Mahotsav 2.0 को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक समर्थन मिला। महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि इस मुहिम ने केवल किसी एक समुदाय या संगठन तक सीमित रहने की बजाय — सरकार, राज्य/स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य कम्पोनेंट (ब्लड-बैंक/मेडिकल टीम), एन.एस.एस., रेल मंत्रालय, युवा मामलात मंत्रालय और सैकड़ों स्वयंसेवी तथा स्थानीय प्रायोजक — सबको साथ में जोड़कर एक सामाजिक-सफलता का मॉडल पेश किया है।

आए दिन हम वैश्विक घटनाओं को देखते-सुनते हैं — कहीं एक देश दूसरे देश पर आक्रमण कर रहा है, किसी देश की जनता अपनी ही सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रही है। कहीं युवा लूटमार, हिंसा, चोरी जैसे अनैतिक व्यवहारों में लिप्त होकर रक्तपात कर रहे हैं। जहाँ वैश्विक परिदृश्य में रक्त को हिंसा या संघर्ष से जोड़ा जा रहा है, अभातेयुप ने सम्पूर्ण विश्व को मानवता के एक सूत्र में पिरोने का काम करते हुए मैत्री और विश्व बंधुत्व का अप्रतिम उदाहरण दर्शाते हुए रक्त को एकता और जीवन-दायिनी सेवा का प्रतीक बनाया। यही कारण है कि इस महाअभियान से जैन-अजैन, युवा-वृद्ध, पुरुष-महिला, विद्यार्थी-व्यापारी, किसान-मज़दूर से लेकर प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और सेलिब्रिटी तक—सब एक साथ जुड़े। यह केवल रक्तदान नहीं, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक चेतना का उत्सव था।

युवा मनीषी परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद के बिना इतना बड़ा और व्यवस्थित कार्य हो पाना असंभव था। गुरु की शक्ति ही नैया को पार लगाती है। हम सौभाग्यशाली हैं कि ऐसे साधनाशील अनुशास्ता का वरदहस्त हमारे सिर पर है। अभातेयुप के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि योगेशकुमारजी एवं सहवर्ती मुनि अक्षयप्रकाशजी का मार्गदर्शन भी कार्यकर्ताओं में जोश भरने वाला रहा।

अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा और महामंत्री अमित नाहटा के नेतृत्व में यह विशेष कार्य उनके कार्यकाल का अद्वितीय कार्य साबित हुआ है। राष्ट्रीय व राज्य-स्तरीय पदाधिकारियों व समस्त कार्यकर्ताओं का जो सहयोग, समर्पण और उत्साह इस अभियान को मिला, उसमें मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के राष्ट्रीय प्रभारी हितेश भांडिया, सह-प्रभारी सौरभ पटावरी और एमबीडीडी मुख्य सलाहकार राजेश सुराणा का श्रम और टीम वर्क नजर आया। इस महाअभियान की वास्तविक ताकत उन अनगिनत व्यक्तियों में निहित है — जो औपचारिक पदों पर हैं और जो आम नागरिक भी हैं।

ऐतिहासिक उपलब्धियाँ

- 2012 में सर्वप्रथम एक दिन में 96,000 से अधिक यूनिट रक्त संग्रह कर क्रांति का शंखनाद किया।
- 2014 में एक ही दिन में 1,00,212 यूनिट रक्त संग्रह का वर्ल्ड रिकॉर्ड।
- 2016 में लगातार रक्तदान शिविर लगाकर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान।
- 2022 में भारत सरकार के सहयोग से 42 देशों में 2.5 लाख यूनिट संग्रह।
- 2023 में सेवा पखवाड़ा अभियान में 3.75 लाख यूनिट संग्रह।
- और अब Raktdan Amrit Mahotsav 2.0—जिसके आंकड़े 2 अक्टूबर को भारत सरकार के साथ ही आधिकारिक रूप से घोषित किए जाएंगे। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् की शाखा परिषदों से प्राप्त जानकारी एवं ई रक्तकोष वेबसाइट में दर्ज सहयोगी संस्थाओं के आंकड़ों के अनुसार अब तक (प्रकाशन में जाने तक) लगभग 187,946 यूनिट्स रक्त संग्रहण की जानकारी प्राप्त हुयी है और अभी भी डाटा अद्यतन का कार्य चल रहा है।

रक्तदान केवल मेडिकल आवश्यकता नहीं — यह नैतिक और राष्ट्रीय दायित्व है। जब समुदाय, धार्मिक-सामाजिक संस्था, सरकार और आमजन मिलकर एक लक्ष्य लिए खड़े होते हैं, तो रक्तदान जैसे अभियान न सिर्फ जीवन बचाते हैं, बल्कि समाज में आपसी विश्वास, एकता और साहस भी बढ़ाते हैं। उस रात जोधपुर की आपातकालीन घटना हमें याद दिलाती है कि एक-एक व्यक्ति का समर्पण किसी भी बड़े अभियान की मूल धुरी होता है।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के स्थापना दिवस पर हुआ मानव कल्याण का यह कार्य इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा।

आचार्यश्री महाश्रमणजी : झलकियां

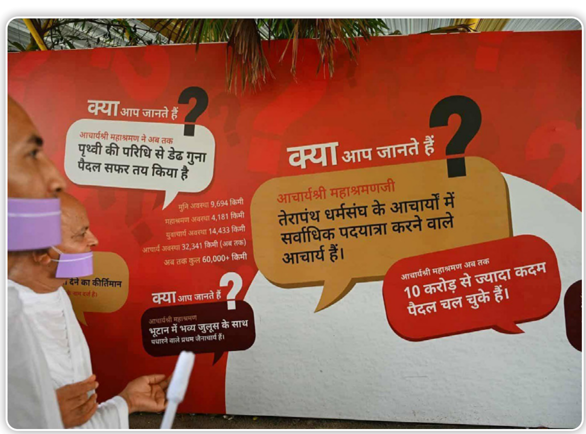

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के लिए मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - **पंकज कुमार डागा** द्वारा मै.जी.के. फाइन आर्ट प्रेस, सी-1, एफआईएफ, पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110092 से मुद्रित तथा 210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित।